INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-20 | मथुरा, सोमवार, 17 मार्च 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

रीसाइक्लिंग डे कल : जिले में कई जगह कबाड़े का व्यवसाय

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद से हर रोज कबाड़ियों की दुकानों पर घरों और प्रतिष्ठानों में निकलने वाला गत्ता और प्लास्टिक एक दिन में करीब 300 टन स्क्रेप के रूप में बिकने के लिए आता है। इस तरह के माल को रीसाइकल करने के लिए रिफाइनरी और इंडट्रियल एरिया में कई फैक्ट्ररियां है जो इस स्क्रेप को दोबारा प्लास्टिक के दाने के रूप में बदल देती हैं। जनपद में हर गांव और कस्बे के अलावा शहर में कबाड़िया अपनी दुकान चलाते हैं। इस तरह के लोग फेरी लगा कर घरों से निकलने वाले कबाड़े को खरीद कर कबाड़े की दुकान पर बिक्री करते हैं। बहुत से कबाड़े का काम करने वालों के पास फेरी करके कबाड़ा खरीदने के लिए पैसे भी नहीं होते हैं। इस तरह के लोग कबाड़ियों से पैसा लेकर कबाड़ा खरीदते हैं और लाकर दुकानदार को देकर अपना मुनाफा लेकर परिवार का पालन करते हैं। छोटे कबाड़ियों की दुकानों पर इकठ्ठा हुआ इस तरह की प्लास्टिक और गत्ते को बड़े कबाड़ी इन दुकानदारों से खरीद कर अपने गोदामों में एकत्रित करने के बाद ट्रकों में लोड

कर फैक्ट्री में सप्लाई करते हैं। इन फैक्ट्रियों में शहर और ग्रामीण इलाके के घरों और प्रतिष्ठानों से निकलने वाला

मथुरा में एक दर्जन फैक्ट्रियों में गलता है कबाड़ा

कई परिवारों का है जीवन यापन का साधन

कबाड़ा हर रोज फैक्ट्रियों में गला कर नया प्लास्टिक का दाना बनाया जाता है। फैक्ट्रियां इस दाने को प्लास्टिक के प्रोडक्ट बनाने वाली फैक्ट्रियों को आपूर्ति करती है। इस तरह हो रहा है कबाड़े का निस्तारण। भूतेश्वर स्थित गत्ते और कबाड़े का काम करने वाले फरीद का कहना है कि गत्ते कबाड़े में काफी मात्रा में आ रहे हैं। इसके दाम भी इस समय 17 रुपये किलो हैं। शहर में गोकुल रैस्टोरेंट के चौधरी धर्म कांटे के समीप भगवती ट्रेडर्स का बड़ा काम है। शहर सहित अन्य कबाड़े का काम करने वाले इनके यहां गत्ता बिक्री करते हैं। गत्ते पर उसे अपनी ही फर्म से हजारों की जीएसटी का भुगतान करना पड़ता है। कबाड़ा बीनने के काम से 100 लोगों को रोजगार मिल रहा है। नई बस्ती निवासी नफीस कबाड़िया का कहना है कि प्लास्टिक भी कबाड़े में काफी आ रही है।

प्लास्टिक के दाम पहले गत्ते से महंगे थे, लेकिन अब प्लास्टिक के दाम कम हो गए हैं। पुरानी प्लास्टिक को खरीद कर प्लास्टिक का दाना बनाने वाली रिफाइनरी टाउनशिप और इंडस्ट्रियल एरिया में एक दर्जन से अधिक प्लास्टिक की फैक्ट्रियां है। कबाड़े में प्लास्टिक ज्यादा आने के कारण खरीदारों ने इसके रेट कम कर रखे हैं। कबाड़े के काम से बिना पैसे लगाए हुए भी 100 लोगों का परिवार की रोजी रोटी चल रही है।

पुलिस ने पकड़ा लाखों की चांदी हड़पने वाला

अभियुक्त से साढ़े तीन लाख रुपये की नकदी और 40 किलो चांदी मिली

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर पुलिस ने रेलवे टिकट घर डीग गेट से एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चालीस किलो के करीब चांदी और साढ़े तीन लाख रुपये बरामद किए हैं। थाना गोविंदनगर के प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह ने बताया कि 13 मार्च गोपाल यादव निवासी कच्ची सड़क मसानी ने 50 किलो 757 ग्राम चांदी को हड़प लेने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले में जांच शुरू की। इस दौरान आज उन्हें इस बारे में सूचना मिली कि चांदी हड़पने वाला रेलवे टिकट घर के निकट चबूतरे पर बैठा हुआ है। इस जानकारी पर कमलेश

चालीस किलो चांदी और साढ़े तीन लाख रुपये के साथ पुलिस की गिरफ्त में अभियुक्त अजय शर्मा।

सिंह ने तुरंत बिरला मंदिर पुलिस चौकी प्रभारी अरुण कुमार त्यागी उप निरीक्षक अशुमान विशनोई, सूरज तेवतिया, नरेंद्र तोमर और पुलिस टीम को साथ लेकर टिकट घर के समीप छापा मारा। छापे के दौरान वहां से पुलिस टीम ने अजय शर्मा निवासी हैंडपंप वाली गली सौंख रोड को गिरफ्तार कर लिया। वह सौंख रोड पर किराए के मकान में रह रहा था। अजय शर्मा मूल रूप से गली राजकुमार मंडीरामदास का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से साढ़े तीन लाख रुपये की नकदी और करीब चालीस किलो चांदी बरामद की है।

एक ही परिवार के दो पक्षों में संघर्ष गांव खामनी में जमकर चली लाठियां

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे के गांव खामनी में एक ही परिवार के दो पक्षों में कुएं को लेकर चल रही रंजिश के बीच जमकर लाठियां चली। दोनों पक्षों के एक दर्जन लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। गांव खामनी निवासी थान सिंह और जीतू एक ही परिवार के हैं। एक ही परिवार के होने के बाद भी दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। इस परिवार का एक कुंआ है। इस कुएं को लेकर दोनों ही परिवार एक दूसरे से रंजिश मानते हैं। बताया गया कि इन दोनों परिवार के बच्चों के बीच हुआ मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों परिवारों के लोग एक दूसरे के लिए लाठियां निकाल कर एक दूसरे से भिड़ गए। दोनों ओर से जमकर मारपीट और लाठियां चलने से आस–पास के लोगों में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने थान सिंह पक्ष के पांच और जीतू पक्ष के घायल हुए सात लोगों को अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया। पुलिस दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना की जांच कर रही है।

होली के बाद नगर आयुक्त का वृंदावन भ्रमण

वृंदावन परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण करते नगर आयुक्त शशांक चौधरी नगर निगम टीम के साथ।

यूनिक समय, मथुरा। होली त्यौहार के बाद गंदगी को लेकर वृंदावन परिक्रमा मार्ग की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर आयुक्त शंशाक चौधरी ने नगर निगम की टीम को लेकर निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने बताया कि वृन्दावन नगर में अच्छी सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम ने क्यूआरटी टीमों को तैनात किया है। इसके निरीक्षण के लिए सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, जोनल सेनेटरी ऑफिसर महेश चन्द्र आदि स्टाफ की ओर से सफाई निरीक्षण किया जा रहा है जिससे शहर में कोई गंदगी नहीं रहनी चाहिए। इसे लेकर लगातार भ्रमण भी किया जा रहा है। इसके साथ ही अभियान चलाकर नगर के प्रमुख नालों की तली झाड़ सफाई कराने के भी आदेश दिए हैं। साथ ही नालों से निकली

गंदगी हटाने को लेकर दिए निर्देश

नालों की तली झाड़ सफाई कराने पर जोर

शिल्ट को शीघ्र ही हटवाने के लिए भी आदेश दिए है। नगर आयुक्त ने नगर निगम की टीम से कहा कि वृन्दावन नगर में पेयजलापूर्ति के लिए प्याऊओं को नियमित रखे जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए, आवश्यकता अनुसार पानी के टैंकरों के माध्यम से छिड़काव व पेयजलापूर्ति भी ढंग से की जानी चाहिए। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, पार्षद वैभव अग्रवाल आदि स्टाफ साथ था।

इंतजार | सुनीता विलियम्स की सकुशल वापसी की उल्टी गिनती शुरू

स्पेसएक्स ड्रैगन से सुनीता विलियम्स की जल्द वापसी

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स का स्पेसक्राफ्ट ड्रैगन करीब 28 घंटे बाद इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंच गया है। 16 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 9:40 बजे इसने डॉकिंग की और 11:05 बजे हैच ओपन हुआ।

ये स्पेसक्राफ्ट 9 महीने से स्पेस स्टेशन में फंसी भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को पृथ्वी पर वापस लाएगा। उनकी सकुशल वापसी को हर भारत वासी को इंतजार है। वे उनके लिए दुआ और प्रार्थना कर रहे हैं। चार मेंबर

की क्रू–10 टीम ने शनिवार को स्पेस के फॉल्कन 9 रॉकेट से भारतीय समयानुसार सुबह करीब 4:30 बजे उड़ान भरी थी। केनेडी स्पेस सेंटर से इसे लॉन्च किया गया था। क्रू–10 के स्पेस स्टेशन पहुंचने के बाद अब वहां मौजूद क्रू–9 के एस्ट्रोनॉट निक हेग,

एलन मस्क की कंपनी का स्पेस क्राफ्ट ड्रैगन लाएगा पृथ्वी पर वापस

हर भारत वासी को है इंतजार, मांगी जा रही है दुआ

अलेक्सांद्र गोरबुनोव के साथ सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में पृथ्वी पर लौटेंगे। ये चारों एस्ट्रोनॉट 19 मार्च को स्पेस स्टेशन से पृथ्वी पर लौट सकते हैं।

सुनीता विलियम्स, अमेरिकी नौसेना अधिकारी और अनुभवी अंतरिक्ष यात्री हैं। उनके नाम सबसे ज्यादा स्पेसवॉक और अंतरिक्ष में सबसे अधिक समय तक चहलकदमी करने का रिकॉर्ड रहा है।

उनके पिता दीपक पांड्या, गुजरात के मेहसाणा जिले के रहने वाले थे। 1958 में वे अमेरिका चले गए थे। सुनीता ने यूनाइटेड स्टेट्स नेवल एकेडमी और फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से पढ़ाई की।

सुनीता ने अमेरिकी नौसेना में 1987 से सेवा की। उन्हें 1998 में नासा में एस्ट्रोनॉट के रूप में चयनित किया गया और 2006 में पहली बार अंतरिक्ष यात्रा की। उनकी वापसी का हर भारतीय बेसब्री से इंतजार कर रहा है।

संत प्रेमानंद महाराज के जन्मोत्सव पर भक्तों का मेला

यूनिक समय, वृंदावन। आध्यात्मिक धर्म गुरु संत प्रेमानंद महाराज का छह दिवसीय जन्मोत्सव 25 से 30 मार्च तक चलेगा। इसमें केलीकुंज आश्रम में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। इस दौरान अलग–अलग प्रदेश और शहरों से आने वाले भक्तों के लिए दिन निर्धारित किए गए हैं। 25 मार्च को मथुरा, आगरा, अलीगढ़ समेत ब्रज क्षेत्र के श्रद्धालु, 26 मार्च को ब्रज क्षेत्र आगरा और अलीगढ़ को छोड़कर उत्तर प्रदेश के भक्त दर्शन कर सकेंगे। 27 को दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और पंजाब के भक्त दर्शन करेंगे। 28 मार्च को एनआईआर, केरल, उत्तराखंड, असम,

25 से 30 मार्च तक हर राज्य के भक्तों के लिए तारीख तय

आंध्र प्रदेश, गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु, वेलगांना, हिमाचल प्रदेश, गुजरात एवं बिहार के भक्त आकर दर्शन कर सकेंगे। 29 मार्च को महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड, वेस्ट बंगाल, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, जम्मू कश्मीर और राजस्थान के शिष्य आएंगे। 30 मार्च को संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन विरक्त संत करेंगे। कुल मिलाकर इस जन्मोत्सव को लेकर वृंदावन में चर्चा है। अनुमान है कि केलि कुंज आश्रम के आसपास मेले जैसा नजारा दिखाई देगा।

छात्राएं बोलीं... सुनीता विलियम्स सकुशल आएं वापस

कोई नहीं बनना चाहती सुनीता जैसी

बाबू शिवनाथ महाविद्यालय एमएससी भौतिक विज्ञान की कक्षा में बैठे छात्र-छात्राएं।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण की जन्मस्थली में भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की नौ माह बाद अंतरिक्ष से पृथ्वी पर सकुशल वापसी को लेकर हर कोई बड़ी उत्सुकता से देख रहा है। सभी उनकी सकुशल वापसी के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

ब्रज की छात्राओं का उद्देश्य है प्रोफेसर बनना

वहीं ब्रज की बेटियां अपनी पढ़ाई के साथ-साथ 19 मार्च का इंतजार कर रहीं हैं कि जब एलन मस्क की कंपनी का स्पेसक्राफ्ट ड्रैगन उनको लेकर पृथ्वी पर वापस लौटेगा।

लेकिन उनको मलाल भी है कि मथुरा जनपद में कोई ऐसा महाविद्यालय या विश्वविद्यालय नहीं है कि जिसमें वे अंतरिक्ष विज्ञान की पढ़ाई या शोध पूरा कर सकें। लेकिन भौतिक विज्ञान के प्रति बेटों की तुलना में दो गुनी ब्रज की बेटियां महानगर के बाबू शिवनाथ महाविद्यालय से एमएससी भौतिक विज्ञान में कर रहीं हैं।

यूनिक समय संवाददाता ने बाबू शिवनाथ महाविद्यालय की बीएससी और एमएससी भौतिक विज्ञान की कक्षाओं का हाल जाना। इसमें अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं से जब अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के बारे में जानकारी की तो सभी को सुनीता विलियम्स के बारे में जानकारी थी। सभी ने कहा कि वे भी प्रभु से प्रार्थना कर रहे हैं कि सुनीता की सकुशल वापसी हो। जिनसे की गई वार्ता के अंश–

एमएससी भौतिक विज्ञान की छात्रा पूनम शर्मा प्रो. रूद्राक्ष सर के निर्देशन में भूकंप पर

रिसर्च कर रही हैं। एमएससी के बाद वह पीएचडी करना चाहती हैं और फिर नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रोफेसर बनने का लक्ष्य रखती हैं। इसके साथ ही वह अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की सकुशल वापसी की प्रतीक्षा कर रही हैं और समाचार माध्यमों से इसकी नियमित जानकारी ले रही हैं।

बीएसए महाविद्यालय की एमएससी भौतिक विज्ञान की छात्रा करिश्मा वर्मा ने बताया

कि वह एमएससी फाइनल ईयर में है। एमएससी करने के बाद उसे नेट की परीक्षा देनी है। उसको उत्तीर्ण करने के बाद वह प्रोफेसर बनना चाहती है। इसके अलावा वह पंकज सर के निर्देशन में रिसर्च कर रही है।

कनक अग्रवाल बीएसए महाविद्यालय से बीएससी सीएस कर रहीं है। वह फोर्थ सेमिस्टर में है। उनका उद्देश्य

आईटी सेक्टर में जाने का है। उसने सुनीता विलियम्स के बारे में सुना है कि वे नौ दिन के लिए अंतरिक्ष में गई थीं। लेकिन उनके यान में कुछ खराबी आ गई थी जिससे वे स्पेस सेंटर में अटक गई। अब नौ महीने के बाद उनके वापस लाने का प्रयास किया जा रहा है। जिनको लेने के लिए स्पेस क्राप्ट गया हुआ है।

याशिका बीएसए महाविद्यालय से बीएससी फाइनल की सीएस की

छात्रा है। वह भी प्रोफेसर बनना चाहती हैं। उसने अंतरिक्ष वैज्ञानिक सुनीता विलियम के बारे में बताया कि सुनीता विलियम स्पेस आठ नौ दिन के लिए गईं थी, लेकिन वहां कुछ प्रॉब्लम होने के बाद अटक गई। उन्हे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से स्पेसक्राफ्ट ड्रैगन के माध्यम से 400 किमी की दूरी तय करने के बाद मैस्को की खाड़ी में उतारा जाएगा।

एमएससी प्रथम ईयर की छात्रा सोनम ने बताया कि उनका उद्देश्य भौतिक

विज्ञान से एमएससी करने के बाद प्रोफेसर बनना है। एमएससी फाइनल की परीक्षा के बाद नेट की परीक्षा देंगी ताकि उनका प्रोफेसर बनने का सपना साकार हो सके। इसके अलावा वह प्लाज्मा पर प्रो. डॉ. रविश सर के निर्देशन में रिसर्च कर रही है।

उसने बताया कि उनको पता है कि सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री हैं। वे नौ दिन की अंतरिक्ष यात्रा पर गई थीं। उनके स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी खराबी आने के बाद वे वहां नौ माह से फंसी हुई हैं। उनको चिंता है कि अमेरिका का जो स्पेसक्राफ्ट अंतरिक्ष में गया है वह वापस उनको ला पाएगा या नहीं। इसके प्रयास वैज्ञानिक कर रहे हैं।

बीएससी सीएस के 6 सेमेस्टर की छात्रा प्रज्ञा राघव ने बताया कि वह बीएससी करने के बाद बीएड करके सरकारी टीचर बनना चाहती है। उसने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत बीएससी में रिसर्च का टॉपिक अर्थ क्विक है।

एस्ट्रोफिजिक्स में शोध के लिए अवसर

बीएसए महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. खुशवंत सिंह ने बताया कि न्यूक्लियर फिजिक्स, एटॉमिक फिजिक्स, क्लासिकल फिजिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन के साथ एस्ट्रोफिजिक्स में शोध करने के इच्छुक छात्र–छात्राएं रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। हालांकि, प्रयोगशाला सुविधाएं सीमित हैं, लेकिन आईआईटी से जुड़कर मार्गदर्शन दिया जाएगा। महाविद्यालय में एमएससी फिजिक्स के प्रथम वर्ष में 30 में से 21 छात्राएं और 9 छात्र हैं, जबकि अंतिम वर्ष में 20 छात्राएं व 11 छात्र अध्ययनरत हैं। भौतिक विज्ञान में छात्राओं की रुचि बढ़ रही है। प्रवेश 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को मेरिट के आधार पर दिया जाता है।

एचओडी भौतिक प्रो. खुशवंत सिंह।

कॉलेज के प्रो. डॉ. रवीश शर्मा ने एस्ट्रोफिजिक्स में शोध और नवाचार के बढ़ते अवसरों पर चर्चा करते हुए बताया कि भारत में इस क्षेत्र में करियर के कई द्वार खुले हुए हैं। महाविद्यालय के द्वारा छात्राओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया जा रहा है और इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी जा रही है।

जाट जन चेतना महासभा ने कई प्रतिभाएं सम्मानित की

यूनिक समय, मथुरा। जाट जनचेतना महासभा संस्था ने भरतपुर रोड स्थित मैरिज होम पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें राजा महेंद्र प्रताप सिंह और चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के जीवन पर प्रकाश डालने वाली पुस्तक "उजली राहों पर उड़ते परिन्दे" के लेखक प्रवक्ता भौतिक विज्ञान के डॉ. कृष्ण पाल सिंह तेवतिया का विमोचन किया गया। जागरूकता मिशन के अंतर्गत एडवोकेट राजेंद्र वर्मा, सुप्रीम कोर्ट आदि को उत्तम कार्य के लिए सम्मानित किया गया। जाट

जाट जन चेतना महासभा के कार्यक्रम में एक प्रतिभा को सम्मानित करते आयोजक व अतिथि।

आरक्षण संघर्ष समिति के प्रणेता एवं उद्योगपति एच पी सिंह परिहार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समाज में जाग्रति एवं प्रेरणा के लिए श्री परिहार ने विचार व्यक्त किए। आकांक्षा चौधरी (राया), संस्था सचिव डॉ. कृष्ण पाल सिंह तेवतिया, महिला उपाध्यक्ष रामदुलारी, डॉ अशोक सिकरवार (बलदेव पब्लिक स्कूल), उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के कोर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि शिव कुमार सिंह (एस आर जी), नरेंद्र चौधरी, पूजा, रेखा रानी, डौली चौधरी को सम्मानित किया। राधा कृष्ण के स्वरूपों ने सांस्कृतिक, होली नृत्य के साथ–साथ विभिन्न कवि रामेंद्र ब्रजवासी, बलबीर बैचैन, विनय अलबेला, राम खिलाड़ी स्वदेशी, ओमप्रकाश डागुर, सूरज बैनीवाल की हास्य कविताओं का आनंद उठाया। संचालन कप्तान सिंह, चन्द्रपाल सिंह ने किया।

यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 19 से

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा होली से पहले समाप्त हो गई थी। अब होली की समाप्ति के बाद तीन मूल्यांकन केन्द्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं की जांच होगी। इसकी सभी तैयारियां डीआईओएस कार्यालय ने पूरी कर ली हैं। मूल्यांकन कार्य के लिए 2223 प्रधान परीक्षक व परीक्षक लगाएं गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि जनरल गंज स्थित जीआईसी कॉलेज में इंटर मीडिएट, जवाहर विद्यालय इंटर कॉलेज व केआर इंटर कॉलेज हाईस्कूल की यूपी बोर्ड की परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के लिए मूल्यांकन केन्द्र बनाया गया है। इन केन्द्रों पर मूल्यांकन 19 मार्च से प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि तीनों मूल्यांकन केन्द्रों पर प्रधान परीक्षक 206 व 2017 परीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। मूल्यांकन कार्य सीसीटीवी की निगरानी में होगा।

2223 प्रधान परीक्षक व परीक्षकों की ड्यूटी लगाई

एसएससी परीक्षा पास करने पर हुआ स्वागत

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। तहसील अंतर्गत गांव खायरा के सामान्य परिवार की बेटी पूजा पांडेय पुत्री राजू पांडेय का स्टाफ सेलेक्शन कमीशन की परीक्षा पास करने पर ग्रामीणों ने स्वागत किया।

पूजा पांडेय ने बताया कि अभी मेरा चयन एसएससी द्वारा लेबर डिपार्टमेंट में हुआ है। आगे तैयारी कर और सफर तय करना है। इसका श्रेय परिजनों और अध्यापकों को जाता है।

बेटी का मनोबल बढ़ाने के लिए मौके पर गांव के प्रधान कन्हैया लाल पांडे, पूर्व प्रधान प्रतिनिधि पूरन लाल शर्मा प्यारेलाल, डॉ. देवी राम शर्मा, शेखर पांडे, राजेंद्र पांडे, हरिओम शर्मा एडवोकेट, सुनील पांडे, भूरा पांडे तथा योगेश पांडे आदि उपस्थित थे।

पत्रकार हत्या के विरोध में ज्ञापन सौंपा

यूनिक समय, मथुरा। सीतापुर के महोली में पत्रकार राघवेंद्र वाजपेयी की हत्या के विरोध में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की जिला इकाई ने सोमवार को मथुरा मुख्यालय पर विरोध जताया। सीतापुर में प्रतिष्ठित एक अखबार के पत्रकार की हत्या कर दी गई थी। शासन प्रशासन द्वारा अपेक्षित त्वरित कठोर कार्यवाही परिलक्षित नहीं हुई। पत्रकारों ने असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कठोरतम दंडात्मक कार्यवाही करने का आग्रह किया। अध्यक्ष विनोद अग्रवाल के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम चंद्रप्रकाश सिंह को सौंपा। पत्रकारों ने प्रदेश में बढ़ते हमलों पर चिंता व्यक्त करते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान मनीष लम्बरदार, रविकांत गोयल, शिवप्रकाश शर्मा, बाँके लाल सारस्वत, सोनू सिंगला व अनुज सिंघल सहित कई लोग मौजूद रहे।

वकीलों ने एसएसपी ऑफिस पर जमकर काटा हंगामा

नारेबाजी करते चल रहे अधिवक्ता।

आक्रोशित वकीलों के मध्य सरदार अमर जीत सिंह अपने बदन पर लगे मारपीट के जख्म दिखाते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। अधिवक्ता के साथ चौकी इंचार्ज कृष्णा नगर द्वारा की गई मारपीट और झूठा मुकदमा दर्ज किए जाने से आक्रोशित वकीलों ने डीआईजी/ एसएसपी कार्यालय में जमकर नारेबाजी की इसके साथ ही पुलिस चौकी पर जमकर हंगामा किया। अधिवक्ता सरदार अमर जीत सिंह के साथ चौकी इंचार्ज विक्रांत तोमर द्वारा की गई मारपीट की वारदात का पता समोवार को आज कचहरी खुलने पर लगा तो आक्रोशित अधिवक्ताओं ने कचहरी में पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और इसके बाद वहां से अधिवक्ता सिविल लाइन पुलिस चौकी के सामने पहुंच गए। यहां पर भी अधिवक्ताओं ने जोरदार हंगामा और नारेबाजी की जिसके चलते यहां जाम के हालात पैदा हो गए। इस दौरान पुलिस कर्मी चुपचाप अधिवक्ताओं को देखते रहे। हंगामे के चलते इस मार्ग से गुजरने वाले वाले वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस कर्मियों ने पेट्रोल पंप से तहसील की ओर जाने वाले यातायात को रोक कर पेट्रोल पंप के पीछे होकर डाइवर्ट कर दिया।

नारेबाजी कर पुलिस चौकी के सामने लगाया जाम

एसएसपी ने दिए मामले में जांच के आदेश

यूनिक समय, मथुरा। डीआईडी/एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने अधिवक्ता के साथ मारपीट प्रकरण में जांच कराने का भरोसा दिया है। गौरतलब है कि कृष्णा नगर पुलिस चौकी इलाके में हुए एक एक्सीडेंट के मामले में दुर्घटना करने वाले को छोड़ देने पर अधिवक्ता द्वारा किए गए ऐतराज पर चौकी प्रभारी विक्रांत तोमर ने अधिवक्ता सरदार अमरजीत सिंह के साथ मारपीट कर झूठा मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले को लेकर बार एसोसिएशन ने आज दरोगा के खिलाफ कार्रवाई होने तक अनिश्चित कालीन हड़ताल कर दी। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा डीआईजी/एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय से मिले थे। एसएसपी ने इस मामले की जांच के बाद कार्रवाई करने का भरोसा दिया था। अध्यक्ष ने इस मामले पर गौर करने के लिए बार एसोसिएशन की बैठक बुलाई। बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में बार एसोसिएशन के सचिव शिव कुमार लवानिया ने बताया कि दरोगा के खिलाफ जांच रिपोर्ट आने तक सभी अधिवक्ता न्यायालय में न्यायिक कार्यो से विरक्त रहेंगे। इसके साथ ही अधिवक्ताओं ने हड़ताल का ऐलान कर दिया। इस बारे में जिला जज, डीएम और दुर्घटना ट्रब्यूनिल व अधिवक्ता फोरम आदि में भी अधिवक्ता काम नहीं करेंगे। अधिवक्ताओं द्वारा की गई हड़ताल से दूर–दराज के ग्रामीण इलाकों से आए मुकदमों के वादियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वादकारी कोर्ट में अपने मुकदमों की तारीख लेने के लिए कोर्ट परिसर के चक्कर लगाते रहे।

पोक्सो एक्ट में वांछित दो युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ छेड़–छाड़ करने के मामले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। राया पुलिस के अनुसार पोक्सो एक्ट में वांछित चल रहे सौरभ निवासी भंकरपुर बसैला थाना राया व नरेश उर्फ काली उर्फ राजकुमार निवासी भंकरपुर बसेला को राया अलीगढ़ मार्ग पर निर्माणाधीन बरेली–जयपुर हाईवे के अंडर पास के समीप से आज गिरफ्तार किया है।

आज का शब्द

FOMO

क्या है फोमो शब्द!

फोमो का मतलब है "छूट जाने का डर", यह एक ऐसी भावना है जो आपको तब होती है जब आपको लगता है कि आप किसी खास घटना, अवसर या अनुभव से चूक रहे हैं, जबकि अन्य लोग इसका आनंद ले रहे हैं।

हिन्दूवादी दिनेश शर्मा ने दिया विवादास्पद बयान

औरंगजेब की कब्र पर बुलडोजर चलाने वाले को देंगे 21 लाख

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर (पहले औरंगाबाद) में स्थित औरंगजेब की कब्र हटाने का मामला तूल पकड़ने लगा है। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने महाराष्ट्र सरकार से इसे जल्द हटाने की मांग की है। विवाद के बीच कब्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं आज देश भर में इस मांग के समर्थन में प्रदर्शन हो रहे हैं। लेकिन जनपद में इस विवाद में अपना बयान देकर श्री कृष्ण जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष दिनेश शर्मा फलाहारी ने आग में घी डालने का काम किया है। उन्होंने कहा है कि औरंगजेब की कब्र पर बुलडोजर चलाने वाले को वे 21 लाख रुपये का इनाम देंगे। सोशल मीडिया पर श्री शर्मा का यह बयान आज पूरे दिन से चर्चा पर बना हुआ है।

बता दें कि दिनेश शर्मा फलाहारी वहीं हैं, जिन्होंने संकल्प लिया था कि जब तक औरंगजेब के पाप की निशानी ईदगाह मस्जिद को हटा नहीं देंगे तब तक अन्न ग्रहण नहीं करेंगे। इन्होंने यह संकल्प तीन वर्ष पहले लिया था। आज भी अपने संकल्प पर कायम है। वह श्री कृष्ण जन्म भूमि मंदिर केस में पक्षकार हैं। हमेशा नंगे पैर ही रहते हैं, और न्यायालय में भी नंगे पैर ही जाते हैं।

राया में दमकल गाड़ी खड़ी कराने की मांग

यूनिक समय, राया (मथुरा)। कस्बे में आये दिन हो रहे अग्निकांड को लेकर कस्बावासियों ने जिलाधिकारी से कस्बे में एक दमकल गाड़ी खड़ी कराने की मांग की है। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक पाराशर ने बताया कि रविवार की रात्रि मांट मार्ग एक किराने की दुकान पर आग लगने के दौरान स्थानीय लोगों द्वारा ही आग पर बमुश्किल काबू पाया गया। अग्निशमन विभाग को सूचना देने के बाबजूद दमकल की गाड़ी एक घण्टे देरी से घटनास्थल पर पहुंची, तब तक दुकान में रखा सामान जलकर खाक हो गया। इससे पूर्व भी गोपालबाग में आतिशबाजी बाजार, सब्जीमंडी काठ बाजार में हुए अग्निकांड में लोगों का लाखों रुपए का नुकसान हो गया था। सब्जी मंडी काठ बाजार में हुए अग्निकांड हादसे को करीब दस माह हो चुके हैं लेकिन अभी तक पीड़ित दुकानदारों को मुआवजा भी नही मिला।

आग लगने की घटनाओं को लेकर व्यापारी चिंतित

क्षेत्रीय लोगों की मांग पर एक दमकल गाड़ी कुछ समय के लिए प्रशासन ने थाने में खड़ी करवा दी। लेकिन कुछ समय बाद वह गाड़ी भी दमकल विभाग ने वापस मंगा ली। नगर पंचायत के सभासद सरवन अहमद तथा नितेश पाठक आदि लोगों ने जिलाधिकारी से राया में एक गाड़ी दमकल खड़ी कराने और सब्जी मंडी काठ बाजार के पीड़ित दुकानदारों को मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

रिफाइनरी पुलिस ने पकड़ा एक चोर

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले एक चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की पायल व नकदी बरामद की है। थाना रिफाइनरी इलाके में घरों से चोरी करने वाले एक युवक को पुलिस ने रेलवे पुल बाद के समीप से चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवक समीर पुत्र सलीम निवासी गांव अमीरपुर बलदेव है। युवक ने जानकारी करने पर पुलिस को बताया कि वह इस समय पुष्पांजलि कॉलोनी में रहता है। तलाशी के दौरान चुराई गई चोरी की पायल और 1150 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस ने चोरी का माल बरामद करने के बाद गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेज दिया है।

चोरी की पायल और 1150 रूपये की नकदी भी की बरामद

एएनएम ने डीआईजी से लगाई सुरक्षा की गुहार

यूनिक समय, मथुरा। थाना बलदेव के नगला अबुआ में रहने वाली एक दलित एएनएम ने डीआईजी/एसएसपी को शिकायती पत्र देकर अपनी सुरक्षा की मांग की है। आरोप लगाया कि एसएसपी एक्ट के मुकदमे को वापस लेने के लिए उसे धमकियां देकर डराया जा रहा है। नगला अबुआ निवासी एएनएम कुसम देवी का कहना है कि वह अपने गांव से सीएचसी फरह के लिए 11 मार्च को अपने साथी के साथ मीटिंग के लिए जा रही थी। आरोप लगाया कि रास्ते में सीएचओ ने अपनी बाइक से दो अन्य बाइकों पर सवार युवकों के साथ हमारी बाइक का पीछा किया और रास्ते में भैरो बाबा मंदिर के समीप बाइक को रोक लिया। आरोपी गालियां देते हुए कहने लगे कि अपना मुकदमा वापस ले लो नहीं तो बहुत बुरा होगा। इस दौरान वहां काफी राहगीर आ गए। राहगीरों को देखते हुए सभी वहां से भाग गए। एएनएम का इसके साथ ही यह भी आरोप है कि पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया और पुलिस बार-बार थाने बुलाकर उसे परेशान कर रही है। एएनएम ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए अपनी सुरक्षा की गुहार लगायी है।

राया क्षेत्र पंचायत की बैठक 21 को

यूनिक समय, राया (मथुरा)। क्षेत्र पंचायत की बैठक 21 मार्च को दोपहर 12 बजे ब्लॉक प्रमुख चंचल चौधरी की अध्यक्षता में विकास खण्ड के सभागार में होगी। यह जानकारी विकास खण्ड अधिकारी सतेंद्र सिंह चौधरी ने दी।

मो. 9411981971, 9761238033
दर्द
रोगी निराश न हों
हाथों द्वारा नस पकड़ते ही आराम
सभी प्रकार के • दर्द • डिस्क स्लिप • माइग्रेन • सर्वाइकल • साइटिका • गठिया • जोड़ों का दर्द • नस का दब जाना • शुगर • स्वांस एवं सभी प्रकार के पेट रोग एवं मोटापा घटाने के लिए एक बार अवश्य मिलें
वैध राधेश्याम सारस्वत
डॉ. हर्ष कुमार सारस्वत B.A.M.S. (Kanpur University)
एच. आर. न्यूरोथैरेपी चिकित्सा एवं रिसर्च सेन्टर अलीगढ़
वृन्दावनः- पारस प्राइड रुक्मनी बिहार, छटीकरा रोड, वृन्दावन
समय- प्रत्येक बुधवार प्रातः 10 बजे से सायं 3 बजे तक
मथुराः- कृष्णा पुरी चौराहा, यमुना पुल, राया रोड, मथुरा
समय- प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक (प्रत्येक गुरुवार से रविवार)

मथुरा जनपद के एकमात्र DM (नेफ्रोलॉजिस्ट) की सेवाएं अब केडी मेडिकल में
गुर्दा रोग विभाग (नेफ्रोलॉजी)

Dr Rohit Puri
(Consultant Nephrologist and kidney transplant Physician)
DM Nephrology, AIIMS Rishikesh
MD Medicine, S N Medical college, Agra
MBBS, SN Medical college, Agra
• एक्यूट किडनी फेलियर
• क्रोनिक किडनी फेलियर
• नेफ्रोटिक सिंड्रोम
• पेशाब में खून आना
• पेशाब में प्रोटीन आना
• पेशाब के रास्ते में जलन होना
• शरीर में सूजन आना
• पेशाब का कम ज्यादा आना
• अत्यधिक बीपी बढ़ना
• बार–बार खून कम होना
• गुर्दे प्रत्यारोपण की सलाह
• डायलिसिस संबंधी समस्त इलाज
फ्री ओपीडी
प्रातः 9 बजे से सायं 3 बजे तक
24 घण्टे इमरजेंसी सेवायें
24 घंटे डायलिसिस की सुविधा

हेल्थ इंश्योरेन्स से कैशलेस इलाज की सुविधा
ECHS की सुविधा
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत से ईलाज की सुविधा
भारतीय रेलवे से सम्बद्ध
के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर
अकबरपुर, छाता, मथुरा, हैल्पलाइन नं. 7055400400, 7088105741

हादसे में बाइक सवार दंपति की मौत

पति ने मौके पर दम तोड़ा, पत्नी की अस्पताल में हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन के खप्परपुर के समीप बीती रात बाइक सवार दंपति को किसी वाहन ने रौंद दिया। हादसे में पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। थाना हाईवे के गणेश धाम कॉलोनी, अड़ूकी निवासी राजू (40) पत्नी यशोदा (36) के साथ बाइक से सादाबाद के लिए जा रहा था। रास्ते में खप्परपुर चौकी के समीप बीती रात किसी वाहन ने बाइक सवार दंपति को बुरी तरह से रौंद दिया। दुर्घटना में राजू की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी यशोदा को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सड़क दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। थाना कोसीकलां के शाहपुर रोड पर गांव खरौट के समीप सड़क दुर्घटना में बरका निवासी हरेंद्र की मौत के मामले में थाना छाता में मुकदमा दर्ज कराया गया। बरका निवासी हरेंद्र सिंह को 13 मार्च को बाइक से जाते समय खरौंट माइनर के पुल पर तेज गति से आती मारुति कार ने टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए युवक की मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक के भाई राधारमन दुर्घटना करने वाली मारुति कार के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

गाय से टकराने से बाइक सवार एक भाई की मौत

दूसरा भाई हुआ घायल, परिजनों में मचा कोहराम

मृतक युवक का इंटरमीडिएट का एक पेपर रह गया था शेष

यूनिक समय, सौंख (मथुरा)। थाना बलदेव क्षेत्र के बलदेव-सादाबाद रोड पर छौली मीरपुर के पास सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। शगुन का सामान देने जा रहे दो भाइयों की बाइक निराश्रित गाय से टकरा गई, जिससे बड़ा भाई शिवम (18) पुत्र रनवीर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छोटा भाई विवेक घायल हो गया। सौंख की नवीन कॉलोनी निवासी शिवम अपने भाई विवेक के साथ बहन सोनिया के घर, गांव कजरोठी (सादाबाद) जा रहा था। दुर्घटना दाऊजी-मथुरा मार्ग पर छौली गांव के पास हुई।

शिवम (फाइल फोटो)

हेलमेट पहनने के बावजूद शिवम की जान नहीं बच सकी।शिवम सीबीएसई इंटरमीडिएट का छात्र था और उसकी केवल कंप्यूटर साइंस की अंतिम परीक्षा शेष थी।
उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। शिवम का अंतिम संस्कार उसके पैतृक गांव आजल में किया गया। शिवम सीबीएसई की इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहा था। उसकी केवल कम्प्यूटर साइंस की अंतिम परीक्षा शेष रह गई थी।

रंगनाथ भगवान का दस दिवसीय ब्रह्मोत्सव शुरू

सोने से बनी पुण्य कोटि में विराजमान हुए भगवान रंगनाथ

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। उत्तर भारत के दक्षिण भारतीय शैली के विशालतम रंगनाथ मंदिर का दस दिवसीय ब्रह्मोत्सव वैदिक मंत्रोचार और पूजा पाठ के साथ शुरू हुआ। ब्रह्मोत्सव के पहले दिन सुबह के समय भगवान रंगनाथ माता गोदा (लक्ष्मी जी) के साथ सोने से बनी पुण्य कोटि में विराजमान हुए। मंदिर से शुरू हुई सवारी गाजे बाजे के साथ बड़े बगीचा पहुंची, जहां कुछ देर विश्राम करने के बाद सवारी वापस मंदिर आई। ब्रह्मोत्सव की शुरुआत से पहले भगवान रंगनाथ के सेनापति विष्वक्सेन जी का आह्वान पूजन अर्चन किया गया। पूजन अर्चन के बाद उनको चांदी से बनी पालकी में विराजमान किया गया।

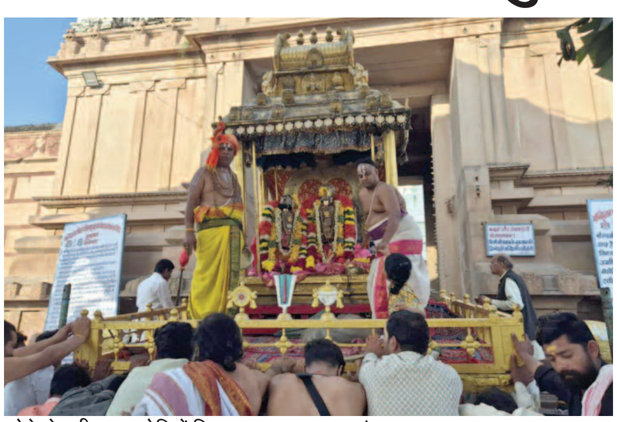

सोने से बनी पुण्य कोटि में विराजमान हुए भगवान रंगनाथ।

इसके बाद परम्परागत वाद्य यंत्रों की ध्वनि के साथ शुरू की गयी सवारी।
विष्वक्सेन जी ब्रह्मोत्सव के लिए की गयी व्यवस्थाओं का जायजा लेने चांदी की पालकी में विराजमान होकर निकले। दस दिवसीय ब्रह्मोत्सव की शुरुआत सोमवार को प्रातः शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण की परंपरा के साथ हुई। शुभ मुहूर्त में मंदिर के पुरोहित विजय मिश्रा ने वैदिक मंत्रों के

मंदिर से बड़े बगीचा तक निकली शोभायात्रा

मध्य उत्सव प्रारम्भ करने के लिए मंदिर के श्री महंत गोवर्धन रंगाचार्य जी महाराज के निर्देशन में ध्वजारोहण के समय भगवान गरुड़ का पूजन पुजारी राजू स्वामी से कराया।
ध्वजारोहण के बाद भगवान की पालकी को वाहन मंडप पर ले जाया गया। जहां से उनको स्वर्ण निर्मित पुण्य कोठी में विराजमान किया गया। इसके बाद हाथी, घोड़े और दक्षिण भारतीय वाद्य यंत्र व बैंड की धार्मिक मधुर ध्वनि के बीच सवारी मंदिर ने बड़े बगीचा के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान जगह जगह भक्तों ने भगवान की आरती उतारी।

भाई ने की एसएसपी से दबंगों की शिकायत

आरोप... चारपाई पर बैठे भाई को गोली मारी

दूसरी गोली चलाने से पहले युवक ने जान की मांगी भीख

यूनिक समय, मथुरा। थाना बरसाना के नाले के पुल के समीप डेरी पर बैठे युवक को दबंगों ने गोली मारकर घायल कर दिया। उसके हाथ जोड़कर जान की भीख मांगने पर दबंग युवकों ने उसे सीएचसी पर भर्ती करा दिया। हालत गंभीर होने पर उसका आगरा में इलाज चल रहा है। इस मामले की शिकायत घायल के भाई ने डीआईजी/ एसएसपी से की है। बरसाने का संजय 12 मार्च को नाले के समीप स्थित शौकत की डेरी पर चारपाई पर बैठा हुआ मोबाइल से किसी से बात कर रहा था। इसी दौरान अचानक बाइक पर वहां शुभम अपने तीन अज्ञात बदमाशों के साथ आ गया। उसने संजय के सामने कंधे पर पिस्टल लगा कर एक गोली मार दी। वह दूसरी गोली चलाता इससे पहले संजय ने हाथ जोड़ कर अपने जीवन की भीख मांगते हुए उसे अस्पताल ले जाने के लिए उन लोगों से खुशामद की। इस पर इन लोगों ने संजय को बरसाना के सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया और घटना के बारे में किसी को न बताने की कह कर धमकी दी कि बताने पर उसे गोली मार देंगे। बरसाना से चिकित्सकों ने उसे मथुरा भेज दिया। परिवार के लोग उसे एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले गए, लेकिन उसकी हालत खराब होने पर उसे आगरा के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इस बारे में संजय ने जब अपने भाई टीकम को बताया। उसने थाने में मामला दर्ज कराने के प्रयास किए, लेकिन मामला दर्ज नहीं हो सका। परेशान टीकम ने इस मामले की शिकायत डीआईजी/ एसएसपी से की है। एसएसपी ने उसे मामले में कार्रवाई कराने का भरोसा दिया है।

मची है अब होली मिलन समारोह की धूम

राठौर समाज के होली मिलन समारोह में राधाकृष्ण स्वरूपों के साथ फूलों की होली खेलते आयोजक।

सर्वोदय ब्राह्मण विकास संस्थान के होली मिलन समारोह में यूपी के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय को स्मृति चिह्न भेंट करते पदाधिकारी।

आरएसएस के होली मिलन कार्यक्रम में भाग लेते पदाधिकारी।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। होली आई और चली गई, लेकिन ब्रज में होली मिलन समारोह के कार्यक्रमों की धूम मची है। गोवर्धन रोड स्थित शिवासा एस्टेट कॉलोनी में होली का उत्सव मनाया गया। इसमें सोसाइटी के 600 लोग शामिल हुए। राधा कृष्ण की झांकी ने सबका मन मोह लिया। सहयोगी टीम में मंतोष अग्रवाल, हिमांशु, सचिन जैन, संजय गुप्ता, राहुल वर्मा, कुणाल अग्रवाल, मीनाक्षी, रश्मि, सीमा, रचना, कनक गुप्ता ने प्रोग्राम को रूपरेखा दी। सोसायटी के अध्यक्ष भूरी सिंह ने कार्यक्रम की सराहना की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कृष्ण भाग मथुरा महानगर अंतर्गत यमुना नगर और दीनदयाल नगर ने होली मिलन समारोह आयोजित किए गए। लोहवन बगीची रघुनाथ आश्रम पर हुए होली मिलन समारोह में गायक कलाकार विष्णु शर्मा, अनिल रावत, योगेश गौड़, और राजेंद्र शर्मा ने प्रस्तुत होली के रसिया गायन और हास्य रस की कविताओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। संघ के महानगर सह कार्यवाह श्री ओम, कृष्ण भाग कार्यवाह अजय सर्राफ, यमुना नगर संघचालक धर्मपाल, कार्यवाह रणवीर, नगर कार्यकारिणी से ब्रजमोहन, दिनेश, कौशल किशोर, अनुरोध अग्रवाल, प्रदीप सोनी, दिनेश पराशर तथा हेमसिंह आदि उपस्थित थे।

दूसरा कार्यक्रम दीनदयाल नगर सरस्वती शिशु मंदिर डेम्पियर पार्क में हुआ। महानगर कार्यवाह विजय बंट ने कहा कि होली सामाजिक समरसता का बड़ा त्योहार है।

इस अवसर पर नगर संघचालक ब्रजेश चतुर्वेदी एडवोकेट, नगर कार्यवाहक राजकुमार टेंट वाले, राजकुमार, दिलीप, योगेश व अंकित शाखा कार्यवाहों में मुकेश, विद्यासागर व केशव उपस्थित थे। संचालन नगर बौद्धिक प्रमुख राजकुमार ने किया। राठौर समाज का होली मिलन समारोह गुरुकुल विद्यापीठ स्कूल में राधाकृष्ण के स्वरूपों के साथ फूलों की होली एवं नृत्य, संगीत के साथ मनाया गया। हुरियारों ने फूलों की होली व लठामार होली भी खेली। रोहित राठौर ने अतिथियों का पटुका पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में श्यामवीर सिंह राठौर, शुभम राठौर, अंशुल राठौर, राजीव राठौर, कुंवरपाल राठौर, विमलेश राठौर, मूलचंद राठौर, गोपी राठौर, स्वदेश राठौर, जीतू राठौर तथा उदयवीर सिंह आदि लोग मौजूद थे। संचालन जितेन्द्र राठौर तथा प्रिंस राठौर ने संचालन किया। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान एवं ब्रम्हा भारती पत्रिका के बैनर तले होली मिलन समारोह विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ यूपी के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, डॉ. देवेंद्र शर्मा, संस्थान अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा, सचिव नारायण प्रसाद शर्मा, स्वागत अध्यक्ष पप्पू गौतम, शोभाराम शर्मा, कृष्ण कुमार मुन्ना भैया, श्रीमती मधु शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, योगेश द्विवेदी, महंत राधाकांत गोस्वामी, प्रदीप कुमार शर्मा, लवानिया एडवोकेट ने किया। दिवाकर आचार्य, शशांक पाठक गणेश वंदना की। डॉ रमाशंकर पांडे, देवी प्रसाद गौड़, रेनू उपाध्याय ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर कीर्ति शर्मा, अनिल कौशिक, के के गौतम, कृष्ण मुरारी दीक्षित, राजकुमार शर्मा, विवेक उपाध्याय, पी पी शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, पंकज शर्मा, राज नारायण गौड़, कन्हैया लाल शर्मा, योगेश, बृजेंद्र नागर, महेंद्र दत्त आचार्य, विवेक उपाध्याय तथा महेश चंद शुक्ला आदि मौजूद थे।

बलदेव के गांव अवैरनी में आयोजित होली मिलन समारोह में रालोद जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतीक भरंगर आदि।

शिवासा एस्टेट कॉलोनी में होली उत्सव के दौरान राधाकृष्ण स्वरूपों के साथ थिरकते महिला एवं पुरुष।

बलदेव के गांव अवैरनी में होली मिलन समारोह एवं ब्रज प्रसिद्ध फूलडोल का आयोजन बालाजी मंदिर में ढोल मजीरों के साथ ग्रामीणों ने फूल वर्षा के मध्य होरियारिनों ने होली खेली। कार्यक्रम में प्रधान होशियार सिंह, भाजपा नेता लेखराज सिंह, पूर्व प्रधान अजयपाल सिंह का सहयोग रहा। इस मौके पर रालोद जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह भरंगर, ब्लॉक प्रमुख प्रतीक सिंह भरंगर, जिला पंचायत सदस्य राजेन्द्र सिंह सिकरवार, विधायक प्रतिनिधि पंकज प्रकाश, अजयपाल सिंह प्रधान, पूर्व विधायक प्रणतपाल सिंह, जिला महामंत्री सतपाल चौधरी, खेम सिंह, बलवीर बाबा, पूरन प्रधान, रोहतास तथा विकास चौधरी आदि उपस्थित थे। संचालन लेखराज सिंह पहलवान ने किया।

बासौड़ा पर शीतला माता की पूजा

बासौड़ा पर शीतला माता की पूजा करती महिलाएं।

यूनिक समय, वृंदावन। होली के बाद बासौड़ा का बड़ा महत्व है। बासौड़ा पर माता शीतला देवी की पूजा करने के लिए रात्रि से महिलाएं मंदिरों में लाइन लगाए खड़ी नजर आई। महिलाओं ने अपने बच्चों की कुशलता के लिए मां से आशीर्वाद मांगा। मथुरा, वृंदावन, कोसीकलां, गोवर्धन, छाता, नौहझील, मांट, राया, फरह, बलदेव, महावन, गोकुल आदि स्थित शीतला माता मंदिर पर बासौड़ा पूजन के लिये महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। परम्परानुसार एक दिन पहले भोजन बनाकर इस बासी भोजन का माता को भोग लगाकर बासौड़ा वाले दिन घर के सभी सदस्य इसी ठंडे भोजन का सेवन करते हैं। मान्यता है कि शीतला माता का पूजन करने से बीमारियों के संक्रमण से बचाव होता है। पूजा के बाद कुत्तों को पकवान खिलाया जाता है, लेकिन अधिक पकवान से उनका पेट भर गया इसलिए कुछ देर के बाद वे भी नखरे दिखाने लगे।

विद्यालय के गेट से छात्र लापता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। कक्षा आठ के छात्र राम के विद्यालय गेट से अचानक गायब होने से परिवार के लोग चिंतित हैं।

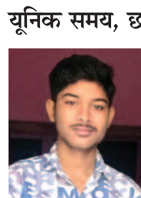

परिजनों ने थाना छाता कोतवाली में तहरीर दी है। अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। छाता–गोवर्धन चौराहे स्थित श्री राम विद्या मंदिर में आठवीं कक्षा का छात्र 14 वर्षीय राम पुत्र हुकम सिंह निवासी अलवाई थाना छाता हाल निवासी गोवर्धन चौराहा छाता सुबह आठ बजे विद्यालय में प्रतिदिन की भांति पढ़ने अपने घर छाता से विद्यालय गया था। वही थाने पहुंचे परिजनों ने बताया कि छात्र विद्यालय के गेट तक ही पहुंचा अंदर नहीं गया और अचानक लापता हो गया। घर वापस नहीं पहुंचने पर परिजनों ने अपने बेटे राम को कई घंटे तक घर नहीं पहुंचने के बाद अनहोनी की आशंका जताते हुए सभी नाते रिश्तेदारी उसके दोस्तों के पास ढूंढा पर उसका कहीं भी सुराग नहीं लगा। अचानक से विद्यालय के छात्र के गायब होने की सूचना मिलते ही काफी संख्या में ग्रामीण और परिजन परेशान होकर थाना छाता कोतवाली मुकदमा दर्ज कराने पहुंचे, व लिखित में छाता पुलिस को छात्र के अचानक गायब होने की तहरीर दी, पुलिस विद्यालय गए हुए गायब होने वाले छात्र राम की खोजबीन तलाश में जुट गई है।

अज्ञात युवक की ट्रेन से कटकर हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या चार के आउटर के समीप बीती रात ट्रेन से कट कर अज्ञात युवक की मौत हो गई। मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या चार के आउटर के समीप 30 वर्षीय युवक का शव रेलवे ट्रैक पर कटा हुआ पड़ा देख कर आरपीएफ और जीआरपी को फोन किया गया। मौके पर पहुंची जीआरपी ने अज्ञात युवक को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक ने नली टीशर्ट मटमैले रंग की पेट पहन रखी है।

पांचवें दिन शुरू हुआ ई–बसों का संचालन

वेतन मिलने पर चालक लौटे काम पर

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। होली के त्योहार पर सिटी बस सेवा की ई बसों के चालकों को दो माह का वेतन नहीं मिलने से चार दिन से चल रही हड़ताल आज शाम को समाप्त हो गई। जिससे वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना, मथुरा की यात्रा करने वाले यात्रियों ने राहत की सांस ली क्योंकि इन मार्गों के यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी हो रही थी। बता दें कि वृंदावन स्थित चार्जिंग स्टेशन पर विगत पांच दिन से 50 इलेक्ट्रिक बसें खड़ी हुई थी। जिससे सिटी ट्रांसपोर्ट कंपनी को 15 लाख रुपए का नुकसान हो गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

यूनिक समय, कोसीकलां। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाइक में अज्ञात कार के चालक ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दो लोग घायल हो गये। मौके पर पहुंची। ग्राम नौगांव निवासी मनीष अपने दोस्त अंकित के साथ सोमवार की दोपहर गांव से कोसीकलां की ओर बाइक पर आ रहा था तभी गांव अजीजपुर के समीप राजमार्ग पर पीछे की ओर से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक मौके से वाहन को लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना पर पहुंचे चौकी इंचार्ज अंकित मलिक ने दोनों घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है।

सात दिवसीय शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

यूनिक समय, मथुरा। आज किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं आरएसपी हब, कोयंबटूर, तमिलनाडु के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम "ट्रांसफॉर्मेटिव ए. आई. टूल्स फॉर रिसर्च राइटिंग" नामक शीर्षक के अंतर्गत ऑनलाइन मोड में आयोजित की गयी। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य पैटर्न निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार प्रो. अमित कुमार भारद्वाज, डॉ. बी. आर. आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के उप कुलपति प्रो. अजय तनेजा तथा प्रो. बी.एल. शर्मा सहायक निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार थे।

प्रोफेसर अमित कुमार भारद्वाज ने कहा कि ऑनलाइन माध्यम से ऐसे लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन प्रशंसनीय है। इससे शोध संरचना के विषय में प्राप्त जानकारियों से नए आयामों को स्थापित किया जाएगा। आगरा विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने भी ऑनलाइन शोध प्रक्रिया में ए.आई. के संबंध में विस्तृत रूप से बताया कि ए.आई. के द्वारा शोध में वह कार्य किया जा सकता जिसे अन्यत्र रूप से किया जाना कठिन हो सकता है। केआर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार अग्रवाल, बीएसए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ललित मोहन शर्मा, प्रोफेसर जितेंद्र अंबानी ने सहभागिता की।

संयोजिका डॉ. ममता रानी कौशिक ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन सोना डी. सोलंकी ने किया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र के प्रमुख वक्ता प्रो. इलाकियां आर., साइंस, दुबई रही।

सर्राफा कमेटी का वार्षिकोत्सव

हांडा कार्यक्रम 19 को

यूनिक समय, मथुरा। श्री सर्राफा कमेटी तिलकद्वार क्षेत्र का वार्षिक उत्सव एवं हांडा कार्यक्रम 19 मार्च को 10 बजे से कुसुम सरोवर गोवर्धन में ठाकुर जी का अभिषेक व पूजा दोपहर 12 बजे से और छप्पन भोग दर्शन एवं साधु सेवा दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। यह जानकारी कार्यवाहक अध्यक्ष सुमनेश अग्रवाल, संयोजक नवीन जोली सर्राफ ने दी। अध्यक्ष कंचन लाल अग्रवाल, चिराग अग्रवाल, सर्वेश सर्राफ, विनीत महावन, मयंक अग्रवाल ने सभी सर्राफा बंधुओ से अनुरोध किया है कि कार्यक्रम पर पहुंचकर वार्षिक उत्सव का आनंद ले।

द्विदिवसीय सेवा सत्र का शुभारम्भ कल से

यूनिक समय, वृन्दावन। श्रीहरिदासबिहारी फाउंडेशन भारत ट्रस्ट द्वारा आयोजित द्विदिवसीय सेवा सत्र का शुभारम्भ कल से होगा। सत्र के दौरान विविध सेवा कार्यक्रम होंगे। सत्र के आयोजक ऑस्ट्रेलिया से आए फाउंडेशन के वित्त सलाहकार अमित भटनागर ने बताया कि मंगलवार को ठाकुर बाँकेबिहारी मंदिर में विशेष देहरी पूजन के साथ आरम्भ होने वाले द्विदिवसीय सेवा सत्र के अंतर्गत 19 मार्च की शाम 5 से 7 बजे तक श्री काली मर्दन मंदिर में हवन, संकीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। ट्रस्ट संस्थापक श्री हरिदास पीठाधीश्वर आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी के सानिध्य में आयोजित समारोह में चित्रकार द्वारिका आनंद को वेद स्मृति सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर बालक, साधु व संत सेवा का आयोजन भी किया जाएगा।

ये पीला पानी पिघला देगा नसों में चिपका गंदा कोलेस्ट्रॉल

यूनिक समय, नई दिल्ली। शरीर में बढ़ रहा खराब कोलेस्ट्रॉल हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारियां पैदा करता है। कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए असरदार घरेलू उपाय है ये पीला पानी, जिसे पीने से गंदा कोलेस्ट्रॉल नेचुरली कम होने लगेगा। हाई कोलेस्ट्रॉल कितना घातक हो सकता है इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि शरीर में बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल हार्ट अटैक का सबसे बड़ा खतरा पैदा करता है। इसलिए हाई कोलेस्ट्रॉल को हल्के में कतई न लें। आपकी जरा सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। हाई कोलेस्ट्रॉल को डाइट और कुछ उपायों से भी कंट्रोल किया जा सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल में पीले बीज का पीला पानी फायदेमंद साबित होता है। जी हां सुबह खाली पेट मेथी के दाने वाला पीला पानी पीने से कोलेस्ट्रॉल को कम किया जा सकता है। जानिए कब और कैसे और कब पीना

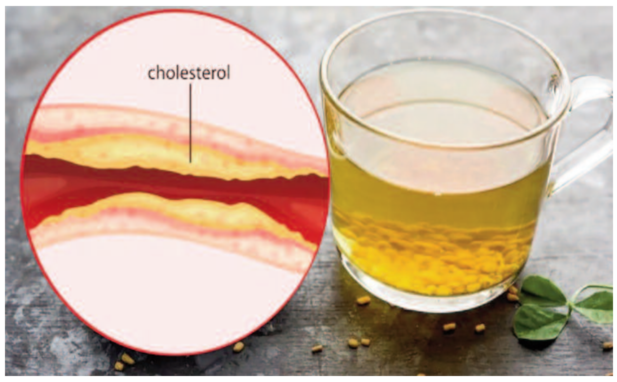

चाहिए मेथी के बीज का पानी? न्यूट्रीशियन, वेट लॉस कोच और कीटो डाइटिशियन स्वाति सिंह के अनुसार शरीर में बढ़ रहे बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मेथी के बीज असरदार साबित हो सकते हैं।

इसकी वजह मेथी के बीज में पाए जाने वाले असरदार गुणों को माना जाता है। दरअसल मेथी के बीज में भरपूर फाइबर होता है। जिससे नसों में जमा हो चुका बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम किया जा सकता है। कई रिसर्च में भी ये बात सामने आ चुकी है कि मेथी के बीज और उसका पानी शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स हानिकारक फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। कुछ दिनों तक रोजाना मेथी का सेवन करने से दिल की बीमारियों का खतरा भी कम किया जा सकता है। मेथी के बीज का पानी वजन घटाने से लेकर डायबिटीज कंट्रोल करने तक में मदद करता है। बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाने के लिए आप कई तरह से मेथी का सेवन कर सकते हैं। सबसे आसान तरीका है कि आप मेथी का पानी पी लें। मेथी का पानी बनाने के लिए आपको रात में ही 1 चम्मच मेथी के बीज 1 गिलास पानी में भिगो देने होंगे। सुबह उठकर इस पानी को हल्का गुनगुना कर लें। पानी को छान लें और मेथी को निकालकर फेंक दें। आप चाहें तो मेथी के दानों को स्प्राउट्स की तरह चबाकर भी खा सकते हैं। इस तरह मेथी खाने और मेथी का पीला पानी पीने से हफ्तेभर में ही हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल किया जा सकता है। इस तरह पानी पीने से वजन घटाने में भी मदद मिलेगी और डायबिटीज को भी कंट्रोल किया जा सकता है।

काजू—बादाम से भी ज्यादा दमदार है ये ड्राई फ्रूट

यूनिक समय, नई दिल्ली। हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर काजू और बादाम जैसे ड्राई फ्रूट्स का सेवन करने की सलाह देते हैं। आप भी काजू और बादाम से मिलने वाले कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे जानते ही होंगे। लेकिन क्या आप एक ऐसे ड्राई फ्रूट के बारे में जानते हैं जो काजू और बादाम से भी ज्यादा पावरफुल साबित हो सकता है। इस ड्राई फ्रूट का नाम मैकाडामिया नट्स है। शरीर में पैदा हुई खून की कमी को दूर करने के लिए आप मैकाडामिया नट्स कंज्यूम कर सकते हैं। मैकाडामिया नट्स में आयरन की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो खून बढ़ाने में कारगर साबित हो सकती है। इसके अलावा इस ड्राई फ्रूट में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपकी हार्ट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आपको बता दें कि दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए भी मैकाडामिया नट्स का सेवन किया जा सकता है। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से मैकाडामिया नट्स को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाते हैं, तो ये ड्राई फ्रूट आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मैकाडामिया नट्स को रेगुलरली कंज्यूम कर आप अपनी ब्रेन हेल्थ को भी काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। बढ़ती उम्र के साथ अक्सर लोगों की हड्डियों कमजोर होने लगती हैं। अपनी हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए आप मैकाडामिया नट्स को अपने डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं क्योंकि इस ड्राई फ्रूट में कैल्शियम की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं मैकाडामिया नट्स आपकी वेट लॉस जर्नी को भी काफी हद तक आसान बना सकते हैं।

नारियल तेल से पाएं गुलाबी निखार वाले होंठ

यूनिक समय, मथुरा। आकर्षित और गुलाबी होंठ हर किसी की चाहत होती है। इस चाहत को पूरा करने के लिए आपको होंठों का खास ख्याल रखना पड़ता है। इसमें नारियल तेल आपकी मदद कर सकता है। एक्सपर्ट्स भी कहते हैं कि जब बाल और त्वचा को स्वस्थ रखने की बात आती है, तो नारियल तेल का प्रयोग सबसे प्रभावी नुस्खों में से एक माना जाता है।

नारियल तेल के प्रयोग से होंठों से जुड़ी लगभग सभी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। यही कारण है कि त्वचा और बालों की नारियल तेल से मालिश भी करते हैं। लेकिन आपको इसका सही तरीके से प्रयोग करते आना चाहिए। चलिए नीचे जानते हैं कि नारियल की तेल से आप फटे—काले होंठों की समस्या कैसे ठीक कर सकते हैं।

1 चम्मच नारियल तेल को 1 चम्मच जैतून तेल में मिलाएं। रात में सोने से पहले इसे होंठों पर लगा लें। ऐसा करने से होंठ गुलाबी और खिले—खिले दिखने लगते हैं। फटे—काले होठों की समस्या से निजात मिलती है होंठों की डेड स्किन रिमूव करने के लिए टूथ ब्रश को गीला करके होंठों पर रगड़ें। फिर उंगली की मदद से नारियल तेल लगाएं और कुछ मिनट मसाज करें। इससे होंठों को मॉइश्चराइजर प्रदान करने में मदद मिलेगी।

नेचुरल गुलाबी होंठ मिल सकते हैं। फटे होंठों से राहत मिलती है। चपटे होंठ भी ठीक हो सकते हैं। कालापन दूर करने में मदद मिलती है।

विटामिन सी और आयरन से भरपूर है अनार का जूस

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर, आप अपनी मांसपेशियों को मजबूत बनाना चाहते हैं तो अनार के जूस का सेवन आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है।चलिए, जानते हैं कैसे? अनार एक ऐसा फल है जो सेहत के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है।

इस फल में मौजूद विटामिन, मिनिरल्स और पॉलीफेनोल को देखते हुए डॉक्टर भी इसे खाने की सलाह देते हैं। इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन के और मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं जो सेहत के लिहाज से कई प्रकार से फायदेमंद हैं। इसमें कुछ ऐसे एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स होते हैं जो दिल की सेहत से लेकर नसों और मांसपेशियों के लिए कारगर तरीके से काम कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी नसों और मांसपेशियों को मजबूत बनाना चाहते हैं तो अनार के जूस का सेवन आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है।चलिए, जानते हैं कैसे? अनार में मौजूद एलेगिटैनिन्स नामक पॉलीफेनोल्स एंटीऑक्सीडेंट शरीर की सूजन को कम करते हैं। ये सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाते हैं और नसों को ताकत देते हैं। इसका मैग्नीशियम नसों और मसल्स को बेहतर बनाने में मददगार है। अनार शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन के स्तर को कम कर, मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाता है।

इसके अलावा इसमें मौजूद आयरन शरीर में खून की कमी भी दूर करता है और मांसपेशियों के काम काज को बेहतर बनाता है। अनार का जूस कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर और हृदय स्वास्थ्य का भी ख्याल रखता है।

हाई एंटीऑक्सीडेंट गुण से भरपूर इस फल का जूस शरीर में सूजन को कम कर सकते हैं। विटामिन सी से भरपूर होनर की वजह से यह फलों रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसी तरह, ऑक्सीकरण स्ट्रेस को कम कर यह त्वचा के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। अनार का जूस आप खाना खाने के पहले और नाश्ते के बाद करें। ऐसा करने से आपको ज़्यादा फायदा मिलेगा। यानी दिन में 1 बार इस फल का जूस जरूर पिएं। कोशिश करें कि ताजा जूस निकालकर पिएं।

रात के समय नाभि में डाले नारियल तेल

चेहरे पर दिखेगी चमक,सेहत को मिलते हैं कई फायदे

यूनिक समय, मथुरा। पुराने समय में आज की तरह बाजार एक से बढ़कर एक स्किन केयर प्रोडक्ट्स से नहीं भरा था। उस समय लोग स्किन और सेहत के लिए घरेलू और आयुर्वेदिक नुस्खों का सहारा लेते थे। ऐसा ही एक नुस्खा है नाभि में तेल डालना। नाभि में तेल डालने पर शरीर में एक नहीं बल्कि कई फायदे मिलते हैं। नाभि में तेल डालने को नाभि चिकित्सा कहा जाता था और इसके फायदे पाचन, मेटाबॉलिज्म, इम्यूनिटी और त्वचा में देखे जाते थे। इसके अलावा त्वचा पर भी इस आयुर्वेदिक नुस्खे के फायदे देखने को मिलते हैं। यूं तो नाभि में कई तरह के तेल डाले जा सकते हैं लेकिन नारियल का तेल बेहद फायदेमंद साबित होने वाले तेलों की गिनती में शामिल है।

नाभि में नारियल का तेल डालने के लिए इस तेल को हल्का गर्म कर लें। तेल न के बराबर गर्म होना चाहिए उससे ज्यादा नहीं। रात में सोने से पहले तेल की 2 से 3 बूंदे नाभि में डालें। रोजाना रात में ऐसा किया जा सकता है। नाभि में तेल डालने पर स्ट्रेस से छुटकारा भी मिल सकता है। इसके अलावा त्वचा को अंदरूनी रूप से हाइड्रेशन मिलता है और स्किन से झुर्रियां हटाने और त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में भी नाभि में तेल डालना फायदेमंद साबित होता है।

नारियल के तेल में एंटी-फंगल गुण होते हैं तो नाभि को साफ रखते हैं और किसी भी तरह का इंफेक्शन होने से रोकते हैं। इसके अलावा नारियल तेल एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भी भरपूर होता है और रेडनेस, सूजन और नाभि में दर्द हो तो उसे कम करने में मदद करता है। इस तेल को नाभि में डालने पर बदबू दूर होती है। नाभि साफ तो हो ही जाती है, साथ ही उसके आसपास की स्किन भी चमकती है।

नाभि अक्सर शरीर का ऐसा हिस्सा है जिसे लोग नजरअंदाज कर देते हैं और जिसकी सही तरह से सफाई करना भूल जाते हैं। ऐसे में नारियल के तेल को नाभि में डालने पर यह चिंता दूर हो जाती है। इरिटेशन और इंफ्लेमेशन को दूर करने और हीलिंग गुण पाने के लिए भी नारियल का तेल नाभि में डालना फायदेमंद होता है।

धूल भरी आंधी में कहीं पड़ न जाएं बीमार

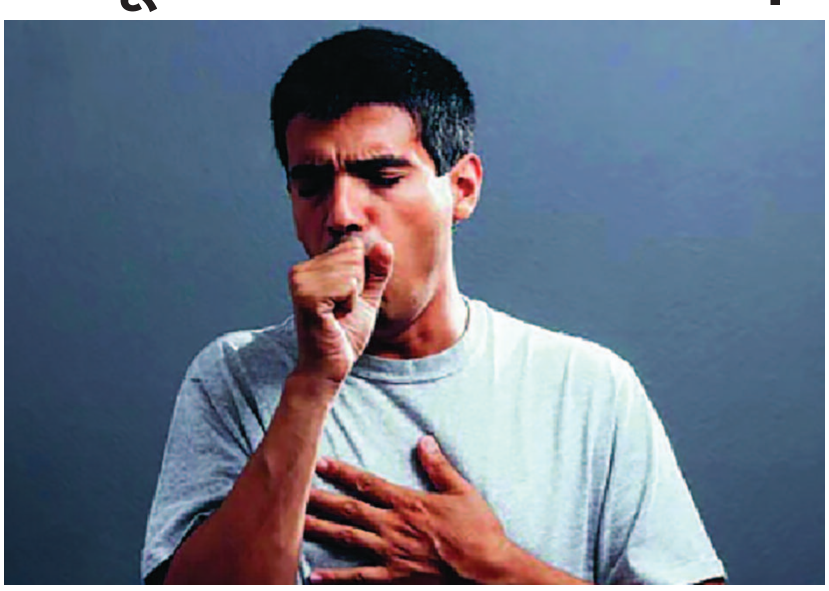

इस मौसम में बचने के रामबाण उपाय

इससे बचने के उपाय

इससे बचने के लिए आप मास्क लगाकर रखें जरूरत हो तो ही बाहर जाएं। बेवजह बाहर न घूमें। बाहर से आने के बाद आप एक गिलास गरम पानी पिएं। काढ़ा पिएं ताकि शरीर संक्रमण से बच सके।

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में होने वाले बदलाव कई तरह की बीमारियां अपने साथ लेकर आते हैं, इसलिए उनसे सतर्क रहना और एहतियात बरतना बहुत जरूरी है। आज हम इस लेख में आपको धूल भरी आंधी और तूफान से होने वाली जानलेवा बीमारी से कैसे बचा जाए, इसके बारे में बताएंगे, जिसे फॉलो कर आप खुद को सुरक्षित रख सकते हैं।

एलर्जी — धूल से होने वाले संक्रमण के कारण खांसी आना शुरू हो जाती है। कुछ लोगों को तो सांस लेने में भी तकलीफ होने लगती है। नाक में भारीपन महसूस होता है। इससे फेफड़ों में भी इंफेक्शन होने का खतरा रहता है। ऐसी स्थिति में आपको डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए।

बुखार — आपको बता दें कि कई बार एलर्जी के कारण बुखार भी हो जाता है। इससे आंखों में जलन होने लगती है, छींके बहुत आती है और गले में खराश और कफ की भी शिकायत होती है। ऐसे में आप डॉक्टर को दिखाएं।

अस्थमा — आंधी तूफान से उठने वाली धूल से अस्थमा के भी शिकार हो सकते हैं। आपको अस्थमा का अटैक पड़ सकता है। ऐसी स्थिति अगर आपके सामने आती है तो आप आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर लीजिए। आप अपने पास हमेशा इन्हेलर रखिए।

एक्जिमा — वायु प्रदूषण के चलते आपको एक्जिमा की भी परेशानी हो सकती है। इससे स्किन पर लाल चकत्ते भी पड़ सकते हैं। कई बार तो स्किन भी निकलने की शिकायत होती है। यह बच्चों में ज्यादा होता है। इसकी शिकायत हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

फ्रिज में इन चीजों को रखने की है मनाही

ममता सिंह

यूनिक समय, मथुरा। आजकल लोग बाजार से बल्क में खाने पीने की चीजें खरीदकर ले आते हैं और फिर उसे फ्रिज में स्टोर कर देते हैं। ताकि उन्हें बार बार बाजार ना जाना पड़े, लेकिन क्या हर फूड आइटम फ्रिज में रखना ठीक है इसके बारे में आपने कभी सोचा है।

अगर नहीं तो आज इसी के बारे में बात करेंगे। आपको बताएंगे कौन से फूड को फ्रिज में स्टोर करने से उनकी क्वालिटी खराब हो जाती है।नींबू और संतरा फ्रिज में स्टोर नहीं करना चाहिए, क्योंकि इनके पोषक तत्वों का असर कम होने लगता है। यहां तक कि स्वाद में भी अंतर आ सकता है। इसलिए इन दोनों को उतना ही खरीदें जितनी जरूरत हो। वैसे आपको बता दें ये दोनों तीन से चार दिन बाहर रखने से खराब नहीं होती हैं।वहीं, पकने वाले फलों को फ्रिज में स्टोर नहीं करना चाहिए जिसमें खुबानी, एशियाई नाशपाती, एवोकेडो, केले, अमरूद, कीवी, आम, खरबूजे, पपीता, पैशन फ्रूट, आड़ू, नाशपाती, खुरमा, आलू बुखारा शामिल है।

अगर आप टमाटर लेकर आते हैं तो उसे फ्रिज में स्टोर कतई न करें। इसे नॉर्मल टेंपरेचर में रखें। विशेषज्ञ के मुताबिक टमाटर का स्वाद, बनावट और सुगंध में बदलाव होने लगता है। ये सब्जी ऐसी है जो पकने के बाद एथिलीन गैस छोड़ती है, जो सेहत के लिए नुकसानदायक है। शिमला मिर्च को कवर करके पेपर बैग में डालकर फ्रिज में रखें। इसके अलावा खरबूजा और केले को भी फ्रिज में रखने से बचें। यह भी उनकी क्वालिटी खराब कर देता है।

दादी—नानी का सुझाया यह हेयर पैक सफेद बालों को बना देगा गहरा काला

भावना शुक्ला

यूनिक समय, मथुरा। उम्र बढ़ती है तो बालों का सफेद होना भी शुरू हो जाता है। यह ऐसी प्रक्रिया है जिससे आज या कल दो चार होना ही पड़ता है। सफेद बालों की दिक्कत हो जाने पर बालों को काला करने के लिए लोग अक्सर ही अलग-अलग तरह के नुस्खे आजमाते दिख जाते हैं। लेकिन, हर नुस्खा ही कमाल का असर दिखाए ऐसा जरूरी नहीं है। यहां जिस नुस्खे की बात की जा रही है वह दादी-नानी का ऐसा नुस्खा है जिसके 2 से 3 बार इस्तेमाल से ही सफेद बालों पर असर नजर आने लगता है। इस हेयर पैक को घर पर आसानी से बनाया जा सकता है और सफेद बालों की दिक्कत से छुटकारा पाया जा सकता है।

सफेद बालों को काला करने के लिए इस हेयर पैक को बनाकर लगाया जा सकता है। इस हेयर पैक को बनाने के लिए आपको करी पत्ता और मेथी के दानों का इस्तेमाल करना होगा।

पैक बनाने के लिए मेथी के दानों को भिगोकर रख दीजिए।

अब जरूरत के अनुसार मेथी के दानों के बराबर ही करी पत्ते ले लीजिए। दोनों को साथ मिलाकर पीस लीजिए।

तैयार है आपका हेयर पैक। इस हेयर पैक को आप 2 से 3 दिनों तक स्टोर करके भी रख सकते हैं। मेथी और करी पत्तों के इस हेयर पैक को आपको 15 दिनों में एक बार लगाना है।

बालों पर इस हेयर पैक को जड़ों से लेकर सिरों तक लगाएं और आधे घंटे से 45 मिनट तक लगाए रखने के बाद धो लें। इस हेयर पैक से बालों को सफेदी से छुटकारा मिलता है, डैंड्रफ की दिक्कत दूर होती है और बालों को कई एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी मिलते हैं। मजबूत बाल पाने के लिए भी इस हेयर पैक को लगाया जा सकता है।

काले बाल पाने के लिए नारियल के तेल में मुट्ठीभर करी पत्ते डालकर पका लें। जब तेल ठंडा हो जाए तो इसे बालों पर एक घंटा लगाए रखने के बाद धो लें। हफ्ते में 2 से 3 बार इस नुस्खे को आजमाया जा सकता है। यह बालों को जड़ों से काला बनाने में मदद करता है।

सम्पादकीय

बलूचिस्तान में बोए बबूल, कांटों से घिरा पाकिस्तान

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ट्रेन हाईजैक कांड को लेकर अब तक तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं हुई है। पाकिस्तानी फौज ने दावा किया था कि उसने 33 बागियों को ढेर कर ट्रेन के सभी बंधक यात्रियों को मुक्त करवा लिया है। ट्रेन हाईजैक करने वाला अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) अब दावा कर रहा है कि वह यात्रियों में शामिल 214 पाकिस्तानी फौजियों की हत्या कर चुका है। बाकी यात्रियों को उसने रिहा कर दिया था। कौन सच बोल रहा है, कोई नहीं जानता, लेकिन यह हकीकत शीशे की तरह साफ है कि बलूचिस्तान को लेकर पाकिस्तान में अस्थिरता और गहरा गई है।

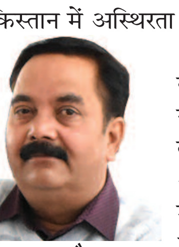

पवन गौतम
संपादक

पाकिस्तान हर अंदरूनी संकट के लिए भारत पर दोषारोपण करता रहा है। ट्रेन हाईजैक कांड को लेकर उसने भारत के साथ अफगानिस्तान पर भी अंगुलियां उठाई हैं। भारत ने आरोपों को खारिज करते हुए दो टूक कहा है– 'सारी दुनिया जानती है कि आतंकवाद का केंद्र कहां है। अपनी नाकामियों के लिए दूसरों को जिम्मेदार ठहराने के बजाय पाकिस्तान अपने घर को संभाले।' दरअसल, आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान के लिए आतंकवाद भस्मासुर बन चुका है। आतंकियों को खाद–पानी मुहैया कराने के चक्कर में उसने अपनी घरेलू समस्याओं की लगातार अनदेखी की। बलूचिस्तान की समस्या 78 साल पुरानी है। विभाजन के बाद बलूचिस्तान के लोग अपना अलग देश चाहते थे, लेकिन इसे जबरन पाकिस्तान में मिला लिया गया।

वहां विद्रोह के स्वर दबाने की जितनी कोशिशें की गईं, यह उतना मुखर होता गया। बलूचिस्तान में सक्रिय अलगाववादी संगठन बीएलए ने पाकिस्तानी हुकूमत की नींद उड़ा रखी है। पिछले पांच साल में बीएलए के हमलों में कई पाकिस्तानी फौजी समेत करीब 600 लोग मारे गए। बलूचिस्तान क्षेत्रफल के हिसाब से पाकिस्तान का सबसे बड़ा, लेकिन आबादी के लिहाज से छोटा प्रांत है। विपुल खनिज भंडार के अलावा पाकिस्तान के लिए यह इसलिए भी अहम है, क्योंकि चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपैक) यहीं से गुजरता है। चीन का यहां बड़ा निवेश भी है इसलिए बलूचिस्तान में चीनी कामगार भी बीएलए के निशाने पर हैं।

जब तक पाकिस्तान बलूच लोगों की समस्याओं के समाधान की दिशा में कदम नहीं बढ़ाएगा, इस क्षेत्र में धधक रहा ज्वालामुखी ठंडा होने के आसार नजर नहीं आते। भारत को बलूचिस्तान के घटनाक्रम पर सतत निगरानी रखनी होगी। सतर्कता भी जरूरी है, ताकि बलूचिस्तान से ध्यान भटकाने के लिए पाकिस्तान हमारे सीमावर्ती इलाकों में किसी साजिश को अंजाम न दे सके।

नजरिया

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट और उनके संरक्षण की आवश्यकता

योगेश कुमार गोयल

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं।

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव–जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव–जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन–पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्ववन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'वन्यजीव संरक्षण वित्तः लोगों और ग्रह में निवेश' थीम के साथ मनाया जा रहा है।

जीव–जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली–भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव–जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के

बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव–जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव–जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं।

समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव–जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पाठक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक फ्लिपकार्ट से खरीद सकते हैं। पर्यावरण के असंतुलन का ही परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में अब देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है।

हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुर्माना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव–जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

विचार विण्डो

मुख्यमंत्री स्टालिन का हिन्दी विरोध और भ्रष्टाचार पर चुप्पी

योगेंद्र योगी

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को देश को खोखला करने वाले भ्रष्टाचार के कैंसर की परवाह नहीं पर देश की एकता, समरसता और अखंडता के लिए जरूरी हिन्दी भाषा की केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय नीति का जम कर विरोध कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा घोषित कर दिया। इसके बावजूद की पूरे अमरीका में ज्यादातर अंग्रेजी बोली जाती है। ट्रंप के अनुसार, यह आदेश राष्ट्रीय एकता, साझा संस्कृति, और सरकारी कार्यों में समरसता लाने में मदद करेगा। अमरीका जैसे सुपर पावर की एक आधिकारिक भाषा हो सकती है पर भारत में ऐसा करना आसान नहीं है। तमिलनाडु की स्टालिन सरकार सिर्फ क्षुद्र स्वार्थों और वोट बैंक की खातिर हिन्दी का विरोध कर रही हैं। जबकि देश के ज्यादातर राज्यों में हिन्दी न सिर्फ आधिकारिक भाषा है बल्कि सर्वाधिक बोली जाने वाली भी है।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को देश को खोखला करने वाले भ्रष्टाचार के कैंसर की परवाह नहीं पर देश की एकता, समरसता और अखंडता के लिए जरूरी हिन्दी भाषा की केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय नीति का जम कर विरोध कर रहे हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन जिस तरह की राजनीति कर रहे हैं उससे लगता है कि तमिलनाडु भारत का हिस्सा नहीं होकर कोई अलग देश है। उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति को राज्य में लागू नहीं करेगी, चाहे केंद्र सरकार इसके बदले 10,000 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता ही क्यों न दे। स्टालिन ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने समग्र शिक्षा अभियान के तहत मिलने वाले 2,000 करोड़ रुपये की राशि रोकने की धमकी दी थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इसकी शिकायत भी की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्टालिन के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तमिलनाडु सरकार राजनीतिक लाभ के लिए हिंदी थोपने का फर्जी नैरेटिव बना रही है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का जितना विरोध तमिलनाडु की स्टालिन सरकार कर रही है, उतना देश के किसी अन्य राज्य ने नहीं किया। यहां तक की बात–बात पर केंद्र की भाजपा सरकार से टकराने को तैयार रहने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी इस मुद्दे पर मुखर नहीं दिखी। विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग ने 1948–49 में डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाले आयोग ने हिंदी को केंद्र सरकार के कामकाज की भाषा बनाने की सिफारिश की थी। आयोग की सिफारिश थी कि सरकार के प्रशासनिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कामकाज अंग्रेजी में किए जाएं। इस आयोग ने कहा था कि प्रदेशों का सरकारी कामकाज क्षेत्रीय भाषाओं में हो। राधाकृष्णन आयोग की यह सिफारिश ही आगे चलकर स्कूली शिक्षा के लिए त्रिभाषा फार्मूला के नाम से मशहूर हुआ। इस सिफारिश को राष्ट्रीय शिक्षा आयोग (कोठारी आयोग) ने 1964–66 में स्वीकार किया।

इंदिरा गांधी की सरकार की ओर से पारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1968 में इसे शामिल किया गया। सरकार ने प्रस्तावित किया कि माध्यमिक स्तर तक हिंदी भाषी राज्यों में छात्र हिंदी और अंग्रेजी के अलावा दक्षिणी भाषाओं में से एक और गैर–हिंदी भाषी राज्यों में क्षेत्रीय भाषा और अंग्रेजी के साथ हिंदी सीखें।

राजीव गांधी सरकार में 1986 में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति और नरेंद्र मोदी सरकार में 2020 में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इसी फार्मूले को रखा गया। लेकिन इसके क्रियान्वयन में लचीलापन लाया गया। पिछली राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विपरीत 2020 में बनी नीति में हिंदी का कोई उल्लेख नहीं है। इसमें कहा गया है कि बच्चों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाएं राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से स्वयं छात्रों की पसंद होंगी, बशर्ते कि तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारत की मूल भाषाएं हों।

यह पहला मौका नहीं है जब तमिलनाडु में हिंदी विरोध की आड़ में राजनीतिक की जा रही है। हिन्दी का विरोध करना तमिलनाडु में वोट बैंक साधने का साधन बन चुका है। स्टालिन की पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कडग़म (डीएमके) ही नहीं इससे पहले सत्ता में रहे अन्य क्षेत्रीय दल भी वोटों की खातिर हिंदी विरोध के मुद्दे को भुनाते रहे हैं। तमिलनाडु में हिंदी विरोधी आंदोलनों का करीब सौ साल पुराना है। केरल और कर्नाटक के विपरीत तमिलनाडु में दो भाषा फार्मूले का पालन किया जाता है। इसके तहत छात्रों को केवल तमिल और अंग्रेजी पढ़ाई जाती है। साल 1937 में मद्रास में सी राजगोपालाचारी की सरकार ने माध्यमिक विद्यालयों में हिंदी को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव रखा था। इसका जस्टिस पार्टी ने विरोध किया था। हिंदी के विरोध में हुए आंदोलन में थलामुथु और नटराजन नाम के दो युवकों की जान चली गई थी। बाद में वो हिंदी विरोधी आंदोलन के प्रतीक बन गए। इस विरोध के आगे झुकते हुए राजाजी को इस्तीफा देना पड़ा था। वहीं 1960 के दशक में जब देश में हिंदी को आधिकारिक भाषा बनाने की समय सीमा आई तो तमिलनाडु में हिंसक विरोध प्रदर्शन होने लगे। हिंदी विरोधी इस आंदोलन में पुलिस कार्रवाई और आत्मदाह की घटनाओं में करीब 70 लोगों की जान चली गई थी। मौजूदा स्टालिन सरकार हिन्दी का जिस कदर विरोध कर रही है, भ्रष्टाचार के मुद्दों पर कभी उतनी मुखर नहीं रही है। स्टालिन सरकार के कई मंत्री भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। उच्च शिक्षा मंत्री के पोनमुडी और उनकी पत्नी पी विसलाची को आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी ठहराया गया है। जल संसाधन मंत्री रईमुरुगन का नाम अक्सर तमिलनाडु में अवैध रेत खनन से जुड़ा रहा है। ग्रामीण विकास मंत्री आई पेरियासामी चेन्नई में एक भूखंड के अवैध आवंटन का आरोप झेल रहे हैं। आयकर विभाग ने तमिलनाडु के लोक निर्माण और राजमार्ग मंत्री ईवी वेलु से जुड़े कई परिसरों पर छापेमारी की थी। डीएमके नेता से जुड़ी संपत्तियों से 29 करोड़ रुपये नकद जब्त किए। आश्चर्य की बात यह है कि मंत्रियों पर लगे संगीन आरोपों के बावजूद मुख्यमंत्री स्टालिन ने एक बार भी भ्रष्टाचार के खिलाफ बयान नहीं दिया, जबकि हिंदी का विरोध खूब कर रहे हैं। यह निश्चित है कि ऐसे विरोध देश की एकता–अखंडता के लिए नुकसानदायक हैं। राजनीतिक दल जब तक अपने निहित क्षुद्र स्वार्थों से ऊपर उठ कर देश हित के बारे में नहीं सोंचेंगे तब तक भाषा और दूसरे ऐसे भावानात्मक मुद्दे वोट बटोरने का जरिया बन रहेंगे।

आईपीएल : उमरान मलिक की चोट से केकेआर को बड़ा झटका

चेतन सकारिया टीम में शामिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2025 से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के तेज़ गेंदबाज़ उमरान मलिक चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ चेतन सकारिया को टीम में शामिल किया गया है।

उमरान मलिक पिछले कुछ समय से फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे थे। टीम मैनेजमेंट ने उनकी रिकवरी पर ध्यान देने का फैसला किया, जिसके चलते वह इस सीजन में नहीं खेल पाएंगे। उमरान की गैरमौजूदगी केकेआर के तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण के लिए बड़ा झटका है।

उमरान की जगह चेतन सकारिया को टीम में शामिल किया गया है। सकारिया ने भारत के लिए एक वनडे और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और आईपीएल में अब तक 19 मैचों में 20 विकेट झटके हैं। उनके पास डेथ ओवर्स में अच्छी गेंदबाज़ी करने की क्षमता है, जिससे केकेआर को फायदा हो सकता है।

कोलकाता नाइट राइडर्स अपने आईपीएल 2025 अभियान की शुरुआत 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ करेगी। देखना दिलचस्प होगा कि उमरान मलिक की जगह चेतन सकारिया टीम में कितनी मजबूती ला पाते हैं।

सनी देओल की फिल्म 'जाट' का प्रमोशन जोरों पर

धर्मेंद्र ने गुस्से में जड़ा था सनी देओल को थप्पड़

दादी ने लगाई थी फटकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जाट' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में वे अपने को–स्टार्स रणदीप हुड्डा और विनीत कुमार सिंह के साथ सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 16' में पहुंचे। इस शो में उन्हें एक म्यूजिकल ट्रिब्यूट दिया गया, जिसमें उनके मशहूर गानों को परफॉर्म किया गया।

शो के दौरान एक कंटेस्टेंट ने सनी देओल से पूछा कि उनके पिता धर्मेंद्र से उन्हें या बॉबी देओल को ज्यादा डांट पड़ी है। इस पर सनी देओल ने हंसते हुए जवाब दिया कि उनके पिता का खौफ इतना था कि डांट पड़ने से पहले ही वे सुधर जाते थे। लेकिन एक बार उन्हें धर्मेंद्र का थप्पड़ झेलना पड़ा था, जिसे वे आज भी नहीं भूले। सनी देओल ने बताया, "पापा का हाथ बहुत बड़ा है। जब उन्होंने थप्पड़ मारा तो मेरे गाल पर सिर्फ तीन उंगलियों के निशान दिख रहे थे, बाकी का हिस्सा चेहरे के बाहर चला गया था।" इसके बाद उनकी दादी ने धर्मेंद्र को जमकर डांट लगाई, और तब से उन्होंने कभी अपने बच्चों पर हाथ नहीं उठाया।

इसी एपिसोड में सनी देओल ने खुलासा किया कि 42 साल पहले फिल्म 'बेताब' में सोनू निगम ने उनके बचपन का किरदार निभाया था। उन्होंने कहा कि बहुत कम लोग इस बारे में जानते हैं और उनके लिए यह फिल्म किसी पिकनिक से कम नहीं थी।

सनी देओल की फिल्म 'जाट' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को 'पुष्पा' के प्रोड्यूसर मैत्री फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फैंस इस फिल्म को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं और इसे देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कबड्डी वर्ल्ड कप 2025 : भारतीय पुरुष और महिला टीम का पूरा शेड्यूल

इंग्लैंड में होगी शानदार शुरुआत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कबड्डी विश्व कप 2025 की धमाकेदार शुरुआत इंग्लैंड में हो रही है। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारत की टीमें खिताब की दावेदार मानी जा रही हैं।

कबड्डी विश्व कप 2025 का आयोजन इंग्लैंड में किया जा रहा है, जिसमें पुरुष वर्ग में 10 और महिला वर्ग में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट के मुकाबले इंग्लैंड के चार अलग–अलग स्थानों पर खेले जाएंगे।

भारतीय पुरुष टीम को ग्रुप–ए में रखा गया है, जिसमें इटली, स्कॉटलैंड, वेल्स और हांगकांग की टीमें शामिल हैं। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष 4 टीमें क्वार्टरफाइनल में जगह बनाएंगी।

पुरुष कबड्डी वर्ल्ड कप 2025 के ग्रुपः ग्रुप एः भारत, इटली, स्कॉटलैंड, वेल्स, हांगकांग। ग्रुप बीः हंगरी, इंग्लैंड, पोलैंड, जर्मनी, यूएसए।

महिला कबड्डी विश्व कप में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। भारतीय महिला टीम को ग्रुप डी में रखा गया है, जिसमें वेल्स और पोलैंड की टीमें शामिल हैं। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष 2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

महिला कबड्डी वर्ल्ड कप 2025 के ग्रुपः ग्रुप डीः भारत, वेल्स, पोलैंड। ग्रुप ईः हांगकांग, हंगरी, इंग्लैंड।

2019 में आयोजित हुए पहले कबड्डी विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम ने इराक को 57–27 से हराकर खिताब जीता था, जबकि महिला टीम ने ताइवान को 47–29 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। इस बार भी दोनों टीमों का लक्ष्य खिताब को बरकरार रखना होगा। क्या भारत इस बार भी चैंपियन बन पाएगा? सभी की नजरें इस बड़े टूर्नामेंट पर टिकी रहेंगी।

भारतीय पुरुष टीम का शेड्यूल

भारत बनाम इटली – 17 मार्च
भारत बनाम स्कॉटलैंड – 18 मार्च
भारत बनाम हांगकांग – 19 मार्च
भारत बनाम वेल्स – 20 मार्च

वैष्णो देवी के पास शराब पीने पर ओरी पर एफआईआर

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ओरहान अवत्रामणि (ओरी) एक बड़े विवाद में फंस गए हैं। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने कटरा के एक होटल में शराब पीने के मामले में 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जिनमें ओरी भी शामिल हैं।

कटरा माता वैष्णो देवी का पवित्र स्थल है, जहां शराब और नॉन वेज के सेवन पर सख्त प्रतिबंध है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओरी और उनके साथियों को पहले ही इस प्रतिबंध की जानकारी दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने होटल के कॉटेज में शराब का सेवन किया।

यह घटना 15 मार्च की है। कटरा पुलिस स्टेशन में दर्शन सिंह, पार्थ रैना, रितिक सिंह, ऋषि दत्ता, रक्षिता भोगल, शगुन कोहली और अनसतासिला अर्जमस्कीना के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने दी सख्त चेतावनी

मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर विवादों में फंसे

ओरी ने खुद अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें दोस्तों के साथ शराब पार्टी करते हुए देखा गया। वीडियो में शराब की बोतलें साफ नजर आ रही थीं, जिससे मामला सामने आया।

रेयासी के एसएसपी ने चेतावनी दी कि जो लोग कानून का उल्लंघन करेंगे, उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि ड्रग्स और अल्कोहल के जरिए शांति भंग करने वालों के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ की गलियों में रमज़ान के बीच हिंदू–मुस्लिम सौहार्द की नई कहानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। निर्देशक अविनाश दास की दूसरी फिल्म इन गलियों में एक बार फिर सामाजिक ताने–बाने को परखने की कोशिश करती है। उनकी पहली फिल्म अनारकली ऑफ आरा की तरह यह भी मुख्यधारा की फिल्मों से हटकर एक नया दृष्टिकोण पेश करती है। इस बार कहानी लखनऊ की गलियों–हनुमान गली और रहमान गली–के बीच फैली हिंदू–मुस्लिम सौहार्द्र और राजनीति की साज़िशों को उजागर करती है। फिल्म की रिलीज़ रमज़ान के दौरान हुई है, जिससे इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। जावेद जाफरी, विवान शाह, अवंतिका दसानी और सुशांत सिंह जैसे कलाकारों की मौजूदगी इस कम बजट की फिल्म को मजबूती देती है। फिल्म की भाषा में हिंदी, उर्दू और अवधी का संगम देखने को मिलता है, जो इसके सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को गहराई देता है।

हालांकि फिल्म का प्लॉट साहित्यिक और संदेशपरक है, लेकिन इसे व्यावसायिक सिनेमा के दायरे में रखने की कोशिश की गई है। यह संतुलन कहीं–कहीं अस्थिर हो जाता है, लेकिन निर्देशक अविनाश दास की कोशिश सराहनीय है।

सुविचार

दिल के सच्चे लोग भले ही जीवन में अकेले रह जाते हैं, लेकिन ऐसे लोगों का साथ भगवान जरूर देते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्थी	07:33-10:09 तक	पक्ष	कृष्ण
नक्षत्र	स्वाती	02:47-05:51 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		6:29 AM	चन्द्रोदय	10:09 PM
सूर्यास्त		6:25 PM	चंद्रास्त	08:54 AM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त अभिजीत		12:03 PM –12:51 PM	ब्रह्म् मुहूर्त	05:11-05:59
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2081
राहुकाल		03:36PM–04:55PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

पुराने बर्तनों का दान करना शुभ या अशुभ

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदू धर्म में बर्तनों की स्थिति को शुभ और अशुभ माना जाता है। जहां टूटे बर्तनों को अशुभ माना जाता है। ऐसे में बहुत लोग पुराने बर्तनों का दान करना चाहते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या पुराने बर्तनों का दान करना शुभ माना जाता है।

हिंदू धर्म में पुराने बर्तनों का विशेष महत्व होता है। बर्तन का संबंध सिर्फ रसोई घर से ही नहीं बल्कि इनका धार्मिक और ज्योतिष दृष्टि से भी गहरा संबंध है। अक्सर पुराने बर्तन पीढ़ियों से चले आते हैं। वहीं कुछ बर्तनों को देवी–देवताओं से जोड़कर भी देखा जाता है। हिंदू धर्म में बर्तनों की स्थिति को शुभ और अशुभ माना जाता है। जहां टूटे बर्तनों को अशुभ माना जाता है और इनको बदलने की सलाह दी जाती है। ऐसे में बहुत लोग पुराने बर्तनों का दान करना चाहते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या पुराने बर्तनों का दान करना शुभ माना जाता है।

बता दें कि घर के पुराने बर्तनों का दान करना शुभ माना जाता है। यह कार्य न सिर्फ घर को नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त करता है और यह आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव भी आता है। दरअसल, पुराने बर्तन नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं और घर में अशांति का कारण भी बन सकते हैं। ऐसे में इन बर्तनों का दान करने से न सिर्फ घर की सफाई होती है, बल्कि यह पुण्य कमाने का भी अच्छा उपाय है। पुराने बर्तनों का दान करने से जातक के घर के सदस्य मानसिक शांति और समृद्धि का अनुभव करते हैं। हालांकि इन बर्तनों को दान करने का समय और तिथि भी महत्वपूर्ण होते हैं।

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक शुभ दिनों में पुराने बर्तनों का दान करना चाहिए। जिससे कि आपको अधिक लाभ प्राप्त हो सके। विशेष रूप से मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को इन बर्तनों का दान करना उत्तम माना जाता है। शनिवार के दिन पुराने बर्तनों का दान करने से शनिदोष दूर होता है और घर में सुख–समृद्धि आती है। मंगल दोष का निवारण के लिए मंगलवार को बर्तन का दान करना चाहिए। वहीं गुरुवार को पुराने बर्तन दान करने से जीवन में खुशहाली आती है और गुरु ग्रह की कृपा प्राप्त होती है। इन तीन दिनों में बर्तनों का दान करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जातक के जीवन में शांति बनी रहती है।

विशेष अनुरोध

प्रिय पाठकों आपका अपना यूनिक समय भरपूर कोशिश करता है कि आपके पास दिनभर की चर्चा, परिचर्चा, गतिविधियाँ और नवीनतम खबरें आप तक पहुँचाए, लेकिन फिर भी हमसे त्रुटि रह जाती हैं। आपसे अनुरोध है कि सुधि पाठक होने के नाते आप हमें अवगत कराते रहे, जिससे हम और बेहतर खबरें आपको पढ़ाते रहे। .... धन्यवाद

नवरात्रि के दिनों में घर में कुछ विशेष चीजें रखना लाभकारी

ग्रहों को मजबूत करने के लिए घर में रखें इस पौधे की जड़

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आप भी पैसों की कमी की समस्या से परेशान हैं? क्या आपके घर में भी छोटी से छोटी बात पर लड़ाई–झगड़े होने लगते हैं? अगर हां, तो आज हम आपको एक ऐसे पौधे के बारे में बताएंगे, जिसकी जड़ अगर आप अपने घर में रखते हैं, तो इससे आपके जीवन में आ रही परेशानियां काफी हद तक कम हो सकती हैं।

हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवरात्रि के दिनों में घर में कुछ विशेष चीजें रखना लाभकारी होता है। आइए वास्तु शास्त्र में बताई गई उस पौधे की जड़ के बारे में जानते हैं, जिसे अगर आप नवरात्रि के दिनों में घर में रखते हैं, तो इससे आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति तो सही होगी ही। इसी के साथ आपकी आर्थिक स्थिति भी धीरे–धीरे सुधरने लगेगी।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नवरात्रि के दिनों में घर में तुलसी के पौधे की जड़ को रखना शुभ होता है। दरअसल, तुलसी के पौधे को शुद्ध माना जाता है।

इसे घर में लगाने से पॉजिटिव एनर्जी आती है। इसके अलावा घर में सुख–शांति और समृद्धि बनी रहती है। आइए जानते हैं तुलसी की जड़ के उपायों के बारे में।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सबसे पहले तुलसी के पौधे की जड़ को गंगाजल से धो लें। फिर एक पीले कपड़े में तुलसी के पौधे की जड़ को रख दें और उसे धागे से बांध दें। इसके बाद उसको अपने घर के मंदिर में भगवान की तस्वीर या मूर्ति के सामने रख दें। माना जाता है कि इससे घर में लड़ाई–झगड़े नहीं होते है। इसके अलावा अगर परिवार वालों के बीच मनमुटाव होगा, तो वो भी धीरे–धीरे कम होने लगेगा।

अगर आपके घर में बरकत नहीं हो रही है। लगातार आपकी आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है, तो ऐसे में आप तुलसी की जड़ का एक उपाय अपना सकते हैं। इसके लिए, तुलसी की जड़ को गंगाजल से धोने के बाद लाल कपड़े में बांधकर अपने घर के मंदिर में रख दें।

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि जब व्यक्ति की कुंडली में ग्रह कमजोर होते हैं, तो इससे उसे जीवन में एक के बाद एक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर आपकी कुंडली में भी ग्रह कमजोर है, तो इसके लिए आप तुलसी की जड़ का एक उपाय अपना सकते हैं। इसके लिए तुलसी की जड़ को गंगाजल से धोने के बाद उसे एक ताबीज में रख दें। फिर उस ताबीज को अपने घर के मंदिर में रख दें।

वास्तु के अनुसार घर में कहां रखें पीने का पानी?

यूनिक समय, मथुरा। हमारे वास्तु शास्त्र में पानी, अग्नि, वायु, आकाश और पृथ्वी तत्व के लिए अलग–अलग दिशाएं या जगह बताई गई हैं। अतः हमें घर में इन तत्वों से जुड़ी चीजें भी इनकी दिशाओं के अनुसार ही रखनी चाहिए, अन्यथा वास्तु दोष के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वास्तु शास्त्र में जल का सर्वाधिक शुभ स्थान ईशान कोण को ही माना गया है। इसीलिए घर में पानी सही स्थान पर और सही दिशा में रखने से परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनुकूल रहता है और सुख–समृद्धि में वृद्धि होती है।

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर–पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। पानी का स्थान ईशान कोण है अतः पानी का भण्डारण अथवा भूमिगत टैंक या बोरिंग पूर्व, उत्तर या पूर्वोत्तर दिशा में होनी चाहिए।

पानी को ऊपर की टंकी में भेजने वाला पंप भी इसी दिशा में होना चाहिए। दक्षिण–पूर्व, उत्तर–पश्चिम अथवा दक्षिण–पश्चिम कोण में कुआं अथवा ट्यूबवेल नहीं होना चाहिए। इसके लिए उत्तर–पूर्व कोण का स्थान उपयुक्त होता है। इससे वास्तु का संतुलन बना रहता है।

ओवर हेड टैंक उत्तर और वायव्य कोण के बीच होना चाहिए। टैंक का ऊपरी भाग गोल होना चाहिए। अन्य दिशा में कुआं या ट्यूबवेल हो, तो उसे भरवा दें और यदि भरवाना संभव न हो, तो उसका उपयोग न करें। नहाने का कमरा पूर्व दिशा में शुभ होता है। याद रखें, घर के किसी नल से पानी नहीं रिसना चाहिए अन्यथा भुखमरी की स्थिति पैदा हो सकती है।

जैन धर्म के संत की क्या है सरस्वती साधना?

बच्चे कठिन परीक्षा भी कर सकते हैं पास

यूनिक समय, नई दिल्ली। जैन धर्म के जाने माने धर्मगुरु और महज 12 वर्ष की उम्र में दीक्षा लेने वाले जैन मुनि अजीतचंद्र सागर महाराज ने सरस्वती साधना की खोज की है। उनके नाम कई रिकॉर्ड पहले से दर्ज हैं। जैन मुनि अजितचंद्र सागर ने 8 साल तक मौन व्रत धारण कर रखा था। उन्हें 23 आगमों की 22 हजार से भी ज्यादा गाथा कंठस्थ हैं, जुबानी याद हैं।

मुंबई के शनमुखानंद हॉल में 3000 प्रेक्षकों के सामने 200 अवधान किया था और मुंबई के एनएससीआई स्टेडियम में हजारों लोगों के सामने 500 अवधान का रिकॉर्ड बनाया था, जिसे देखने महाराष्ट्र के चीफ जस्टिस समेत 15 हाई कोर्ट जज पहुंचे थे। एक संत की ऐसी मानसिक शक्ति को देखकर हर कोई हैरान था। 19 साल की उम्र में अपने गुरु नयनचंद्रसागर सुरीश्वरजी महाराज के मार्गदर्शन में उन्होंने आत्मविश्वास का अद्भुत चमत्कार दिखाया था। 1500 लोगों के सामने जैन संत ने पहली बार 100 अवधान किया था। 100 अवधान का मतलब बिना कहीं कुछ लिखे भीड़ द्वारा कही गई 100 बातों को याद रखना और

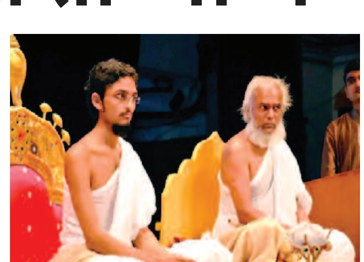

फिर उन सभी बातों को उसी क्रम में दोहराना।

आज के इस जमाने में जहां लोगों को 10 अंकों का मोबाइल नंबर भी याद नहीं रहता है, ऐसे में हजारों लोगों की भीड़ के बीच कहे गए 500 बातों को एक ही बार में याद रख लेना और उन बातों को उसी क्रम में दोहराना ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। जैन मुनि अजीतचंद्रसागर महाराज इसे कोई चमत्कार नहीं मानते हैं, उनकी मानें तो ये वो साधना है जो कठिन तपस्या, योग और परिश्रम से हासिल किया जा सकता है।

गुरुदेव ने पूरे भारत के छात्र और छात्राओं के मानसिक विकास को बढ़ाने के लिए इस सरस्वती साधना की खोज की है। एक ऐसी साधना जिसकी मदद से कोई भी स्टूडेंट किसी भी परीक्षा में फेल नहीं होगा। दुनिया भर के 50 हजार से अधिक भारतीय छात्र सरस्वती साधना को आजमा चुके हैं।

सहस्त्रावधान का मतलब है विभिन्न श्रेणियों और हर वर्ग के लोगों द्वारा कही गई 1000 बातों या सवाल–जवाब को याद रखकर उन्हें उसी क्रम में दोहराना। आज से करीब 600 साल पहले जैन धर्म के गुरु भगवंत श्री मुनि सुंदर सूरिजी महाराज ने ऐसा करके इतिहास रचा था। इंसान अपनी मानसिक शक्ति का इस्तेमाल किस हद तक कर सकता है, ये उसका सबसे बड़ा उदाहरण साबित होगा।

डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर पर छात्राओं के यौन शोषण के गंभीर आरोप

यूनिक समय, हाथरस। यूपी के हाथरस में एक डिग्री कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर और प्रोफेसर रजनीश कुमार पर बेहद संगीन आरोप लगे हैं। उन पर आरोप हैं कि उन्होंने कई छात्राओं का यौन शोषण किया है। उनके वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। ऐसे में सवाल ये है कि आखिर रजनीश कुमार अब तक कैसे इस तरह की घटनाओं को अंजाम देता रहा और क्यों वो पकड़ा नहीं गया?

करीब 10 महीने पहले पुलिस को एक गुमनाम चिट्ठी मिली, जिसमें पीड़िता का नाम नहीं था। ये शिकायत एक लाचार बहन के नाम से की गई। इस मामले में जांच हुई लेकिन कोई विक्टिम सामने नहीं आई। ऐसे में जांच को बंद कर दिया गया। फिर कुछ दिन पहले राष्ट्रीय महिला आयोग, हाथरस पुलिस को एक गुमनाम चिट्ठी के साथ एक सीडी भेजी गई, इसमें भी भेजने वाले ने नाम नहीं बताया।

इस सीडी को जब देखा गया तो उसमे चीफ प्रॉक्टर रजनीश कुमार, जो कॉलेज में भूगोल के प्रोफेसर भी हैं, उनके कई अश्लील वीडियो मिले। पुलिस ने शिकायत और वीडियो के आधार पर चीफ प्रॉक्टर के ऊपर यौन शोषण की धाराओं में एफआईआर दर्ज की। इसके बाद पुलिस ने कॉलेज में प्रिंसिपल और मैनेजमेंट से संपर्क किया। एफआईआर दर्ज होते ही प्रिंसिपल ने मैनेजमेंट के साथ मीटिंग की और चीफ प्रॉक्टर रजनीश कुमार को तुरंत सस्पेंड कर दिया गया। सस्पेंड होने के बाद रजनीश कुमार फरार हो गए।

फरार प्रोफेसर की तलाश के लिए हाथरस पुलिस ने तीन टीमों का गठन

पुलिस के डर से हुआ फरार

किया है और उनकी जल्द गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है।

एसपी के मुताबिक, आरोप है कि अपने पद का दुरुपयोग करते हुए छात्राओं को एग्जाम में पास करवाने, सरकारी टीचर की नौकरी दिलाने, कॉम्पटीशन में पास कराने के नाम पर प्रोफेसर रजनीश कुमार द्वारा यौन उत्पीड़न किया जाता था। एफआईआर दर्ज कर उसे पकड़ने की कोशिश हो रही है।

चिट्ठी गुमनाम है और ये वीडियो साल 2023 के बने हुए हैं। रजनीश कुमार यौन शोषण के दौरान खुद वीडियो बनाता था। ऐसे में वह कैमरा छुपाकर रखता था ताकि आगे फिर से ब्लैकमेल करके दोबारा यौन शोषण किया जा सके।

जेलर और डिप्टी जेलर पर गिरी गाज

जेल अधीक्षक पर कार्रवाई की संस्तुति

बंदी को कॉल कराकर जेल से कराई थी डील

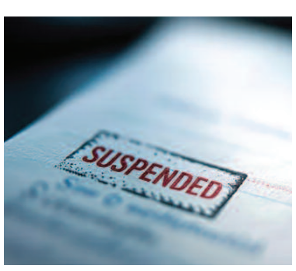

यूनिक समय, लखनऊ। यूपी में डीजी जेल ने बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने जेल में बंद बंदी द्वारा अवैध रूप से फोन कॉल करने पर गाजीपुर जेल के जेलर और डिप्टी जेलर को निलंबित कर दिया है। साथ ही जेल अधीक्षक पर कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखा है।

उत्तर प्रदेश में डीजी जेल ने बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने गाजीपुर जेल के जेलर और डिप्टी जेलर को निलंबित कर दिया है। साथ ही जेल अधीक्षक पर कार्रवाई के लिए शासन के लिए पत्र लिखा है। मामला बंदी द्वारा अवैध रूप से फोन कॉल करने से जुड़ा है।

दरअसल, गाजीपुर की जेल में बंद बंदी द्वारा अवैध रूप से मोबाइल का इस्तेमाल करने का मामला सामने आया था।

बंदी विनोद गुप्ता ने जेल से मोबाइल से कॉल की थी। चार मार्च को मामला सामने आया तो डीआईजी जेल से इसकी जांच कराई गई। जांच में जेल के अंदर से फोन कॉल करवाने की पुष्टि हुई।

जेल से फोन करके एक मामले में गवाही न देने की बात की गई थी। बदले में रकम देने का सौदा तय हुआ था। इसके बाद डीजी जेल का पारा चढ़ गया। उन्होंने कार्रवाई करते हुए जेलर राकेश कुमार वर्मा और डिप्टी जेलर सुखवती देवी को निलंबित कर दिया। साथ ही जेल अधीक्षक अरुण प्रताप सिंह पर कार्रवाई करने के लिए शासन को पत्र को लिखा है

बिहार : भोजपुर में करोड़ों की ज्वेलरी लूटी

लापरवाही पर दरोगा और सिपाही निलंबित

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुर जिले के आरा में तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में 25 करोड़ रुपये की लूट के मामले में पुलिस पर भी गाज गिरी है। पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई करते हुए दरोगा मनोज तिवारी और सिपाही स्वीटी कुमारी समेत कई पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।

यह डकैती शहर के गोपाली चौक स्थित तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में हुई, जहां छह हथियारबंद बदमाशों ने सुबह 11 बजे धावा बोल दिया। 30 मिनट तक कर्मचारियों को बंधक बनाकर लुटेरों ने करोड़ों के आभूषण लूटे। इस पूरी घटना की सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो लुटेरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया और लूटे गए आभूषणों से भरे दो बैग जब्त किए।

इस लापरवाही के चलते भोजपुर एसपी ने संबंधित पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया।

लखनऊ में गैंगरेप के मुख्य आरोपी को पुलिस ने गोली मारी

यूनिक समय, लखनऊ। यूपी के लखनऊ से एक बड़ी खबर है। यहां एक गैंगरेप के मुख्य आरोपी को पुलिस ने गोली मार दी है। आरोपी के पास से तमंचा और कारतूस भी बरामद किया गया है। इस दौरान आरोपी का साथी भी गिरफ्तार हो गया है।

लखनऊ के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में दो दिन पहले मंदबुद्धि युवती से गैंगरेप का मामला सामने आया था। इसी मामले के मुख्य आरोपी का पुलिस के साथ एनकाउंटर हुआ है। मोहनलालगंज के पचौरी जंगल में मुख्य आरोपी और उसके साथी के छिपे होने की सूचना के बाद पुलिस ने घेराबंदी की है।

मुख्य आरोपी और उसके साथी ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग भी की। पुलिस टीम के द्वारा जवाबी फायरिंग में मुख्य आरोपी संदीप यादव निवासी आजमगढ़ को पैर में गोली लगी है। मौके से भाग रहा साथी मायाराम रावत (निवासी सेमनापुर थाना गोसाईंगंज) भी गिरफ्तार हुआ है।

आरोपी के पास से एक तमंचा 315 बोर और 2 खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं। इस मामले के सामने आने के बाद डीसीपी निपुण अग्रवाल और एडीसीपी अमित

तमंचा और कारतूस भी बरामद

कुमावत मौके पर पहुंचे।

पुलिस द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक, 15 मार्च को वादी द्वारा थाना गोसाईंगंज में सूचना दी गई कि उसकी मंदबुद्धि पुत्री 14 मार्च को 12 बजे घर से सामान लेने के लिए पड़ोस की दुकान पर जा रही थी। रास्ते में संदीप यादव और अन्य ने उसे पकड़ लिया और सुनसान स्थान पर ले गए। यहां उसके साथ रेप किया गया। इस सूचना पर थाना गोसाईंगंज में मामला पंजीकृत किया गया था। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए थाना मोहनलालगंज में 6 टीमों का गठन किया गया। पुलिस के मुताबिक, 16 मार्च को सूचना मिली कि अभियुक्त संदीप यादव और मायाराम कुबहरा जंगल की तरफ मोटरसाइकिल से जा रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जब अभियुक्तों को रोकने का प्रयास किया गया तो उन्होंने पुलिस पर फायर कर दिया।

इसके बाद पुलिस ने जवावी कार्रवाई की, जिसमें अभियुक्त संदीप यादव के पैर में गोली लगी।

जो बहुजन के हित में काम करेगा वही आगे बढ़ेगा...

मायावती बोलीं- आड़े नहीं आएंगे हमारे रिश्ते-नाते

यूनिक समय, लखनऊ। मायावती ने कहा कि मेरे लिए मेरे रिश्ते नाते, भाई-बहन मेरे लिए महज बहुजन समाज के लोगों के बराबर हैं। इसके अलावा बहुजन समाज से जो भी पार्टी हित में काम करेगा, उसे पार्टी में आगे बढ़ाया जाएगा। इस पर हमारे रिश्ते-नाते आड़े नहीं आएंगे।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊमें सोमवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सामाजिक परिवर्तन और जातिवादी मानसिकता से हटकर बहुजन समाज को सम्मान दिलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आजकल जनहित के मुद्दों पर कम अपने-अपने स्वार्थ की राजनीति पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। यह चिंताजनक है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि होली और रमजान पर्व के बीच देशभर में कार्यकर्ताओं ने कांशीराम की जयंती मनाई।

इससे न सिर्फ हमें बल मिला बल्कि कांशीराम के विचार लोगों तक पहुंचे। कहा कि यूपी हमारे नेतृत्व में बनी सरकार ने वास्तव में सामाजिक परिवर्तन किया। मायावती ने कहा कि हमारी सरकार बनने से पहले बहुजन समाज के लोगों को सामान्य लोगों के बराबर कुर्सी या चारपाई पर बैठने का अधिकार नहीं था।

कहा कि 2007 में यूपी में हमारे नेतृत्व में बनी बसपा सरकार ने बहुजन को यह अधिकार दिलाया। इसके बाद बहुजन समाज के लोगों को सभी के बराबर कुर्सी और चारपाई पर बैठने को मिला। यही असल में सामाजिक परिवर्तन था। बहुजन समाज के लोगों को यह याद रखना चाहिए।

मायावती ने कहा कि विपक्षी पार्टियां बहुजन समाज की एकमात्र पार्टी बसपा को कमजोर करने में लगी हैं। जातिवादी मानसिकता वाली पार्टियों ने डॉ आंबेडकर के विचारों को भी समाप्त करने की पुरजोर कोशिश की थी। लेकिन, बाबा साहेब और फिर कांशीराम ने ऐसे लोगों को उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। अब हम भी बहुजन समाज के हित में ऐसी जातिवादी पार्टियों के मंसूबों को सफल

अवध में बदला मौसम

बारिश और ओलों की मार से किसानों की बढ़ी चिंता

यूनिक समय, लखनऊ। यूपी के अयोध्या और बाराबंकी में सोमवार सुबह अचानक मौसम बदल गया। बारिश के साथ ओलों की बरसात हुई, जिससे खेतों में ओलों की परत जम गई। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई, क्योंकि गेहूं और सरसों जैसी फसलें कटाई के लिए तैयार हैं।

हालांकि, बारिश थोड़ी देर में थम गई और मौसम साफ हो गया, जिससे किसानों को राहत मिली। लेकिन यदि आगे और बारिश होती है, तो फसलों को नुकसान होने की आशंका है। जिला कृषि अधिकारियों ने कहा कि अभी तक बड़ा नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन मौसम पर नजर बनाए रखना जरूरी होगा।

सार संक्षेप

डोनाल्ड ट्रंप ने शेयर किया पीएम मोदी का पॉडकास्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पॉडकास्ट अपने ट्रुथ सोशल हैंडल पर साझा किया। यह पॉडकास्ट अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन ने किया था।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने फिर संभाला पदभार

यूनिक समय, नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद आज अपने पदभार को पुनः संभाला। वे राज्यसभा के चेयरमैन के रूप में सदन पहुंचे, जहां उनका स्वागत किया गया।

आंध्र प्रदेश में ट्रेन हादसा टला

यूनिक समय, नई दिल्ली। विशाखापट्टनम के पास मालगाड़ी के अधिक लोडिंग के कारण रेलवे ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे ट्रेन रोक दी गई। हालांकि, बड़ा हादसा होने से टल गया।

दिल्ली में बाबा हरिदास नगर में फायरिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के बाबा हरिदास नगर में अज्ञात बदमाशों ने एक घर के पास फायरिंग की। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जिसमें एक्सटॉर्शन मनी की आशंका जताई जा रही है।

औरंगजेब की कब्र विवाद पर कांग्रेस का बयान

यूनिक समय, नई दिल्ली। औरंगजेब की कब्र को लेकर उठे विवाद पर कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंधे ने भाजपा पर मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया।

रायसीना डायलॉग के 10वें संस्करण का उद्घाटन

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रायसीना डायलॉग के 10वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। इसमें 20 देशों के विदेश मंत्री और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री शामिल होंगे।

अमेरिका से 200 अवैध अप्रवासी निर्वासित

यूनिक समय, नई दिल्ली। वेनेजुएला के एक गिरोह के 200 से अधिक सदस्यों को अमेरिका ने निर्वासित कर अल सल्वाडोर भेज दिया, जहां उन्हें हाई-सिक्योरिटी जेल में रखा गया है।

भाजपा सांसद के घर में चोरी की कोशिश

यूनिक समय, नई दिल्ली। हैदराबाद में भाजपा सांसद डीके अरुणा के आवास में सुबह के समय एक चोर घुस आया। हालांकि, कोई सामान चोरी नहीं हुआ। सांसद के ड्राइवर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

वक्फ बिल पर दिल्ली में मचा हंगामा

जंतर-मंतर पर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ गई है। वक्फ बिल के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड धरने पर बैठ गया है। कई राजनीतिक दलों ने भी इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया है।

राजधानी दिल्ली में एक बार फिर वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर हंगामा मच गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने जंतर-मंतर पर धरना देना शुरू कर दिया है। इस धरना प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए हजारों की संख्या में मुस्लिमों का जमावड़ा लगा है। एआईएमपीएलबी ने वक्फ बिल को काला कानून बताया है। मुस्लिम समुदाय के अलावा कई राजनीति दल भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हैं। दरअसल एआईएमपीएलबी का कहना है कि वक्फ संशोधन बिल लाकर केंद्र सरकार मुस्लिमों के अनधिकृत मदरसे और मस्जिदों को हड़पने का प्रयास कर रही है। मगर हम ऐसा नहीं होने देंगे। इस बिल के विरोध में हजारों लोग बैनर और पोस्टर लेकर जंतर-मंतर पर धरना देने बैठ गए हैं। कई राजनीतिक दल भी एआईएमपीएलबी का समर्थन करते नजर आ रहे हैं। वक्फ बिल पर बनी जेपीसी कमेटी के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने एआईएमपीएलबी को बेबुनियाद करार दिया है। उनका कहना है कि वक्फ बिल पर सरकार का नजरिया पूरी तरह से साफ है। जब यह बिल सदन में पेश किया गया तो विपक्ष ने इसका विरोध किया था। ऐसे में केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने इसे जेपीसी की कमेटी को देने की बात कही थी।जगदम्बिका पाल के अनुसार 6 महीने तक जेपीसी ने इस बैठक पर चर्चा की। इस दौरान 118 घंटे तक बिल पर बातचीत हुई। दिल्ली में 38 बैठकों समेत महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, बिहार और तेलंगाना जैसे कई राज्यों में बैठक की गई। सभी तरह के स्टेकहोल्डर्स और संगठनों से बिल पर राय मांगी गई। ओवैसी ने कहा कि सरकार की मंशा वक्फ की संपत्तियों को बचाने की नहीं, बल्कि उन्हें खत्म करने की है। यह विधेयक असंवैधानिक है और इसका उद्देश्य दो समुदायों के बीच खाई को और चौड़ा करना है।"

जगदम्बिका पाल का कहना है कि वक्फ का फायदा गरीब और पसमांदा मुस्लिमों को नहीं मिल रहा है। सरकार इसलिए नया कानून ला रही है। जेपीसी की रिपोर्ट में न सिर्फ विपक्ष बल्कि एआईएमपीएलबी की राय भी मौजूद है। एक लोकतंत्र में कानून बनाने का इससे बड़ा तरीका क्या हो सकता है? जंतर-मंतर पर विरोध करके देश के अल्पसंख्यकों को गुमराह किया जा रहा है।

कैग चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को भेजा नोटिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) की नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में कैग चयन पैनल में भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल करने की मांग की गई है। एनजीओ सेंट्रल फॉर पब्लिक इंट्रेस्ट लिटिगेशन द्वारा दाखिल इस याचिका में कैग की नियुक्ति के लिए वर्तमान प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं, जिसमें यह निर्णय प्रधानमंत्री की सिफारिश पर आधारित होता है। याचिका में कैग चयन के लिए एक स्वतंत्र पैनल बनाने की मांग की गई है, जिसमें प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल किया जाए। याचिका में तर्क दिया गया है कि मौजूदा व्यवस्था पारदर्शिता और निष्पक्षता के मानकों पर खरी नहीं उतरती। इससे सरकार की ओर झुकाव की संभावना बनी रहती है, जो कैग की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यदि चयन स्वतंत्र पैनल के जरिए हो, तो कैग को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त रखा जा सकता है और यह संस्था सरकारी खर्चों और नीतियों की अधिक निष्पक्ष निगरानी कर सकेगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को पहले से दाखिल इसी मुद्दे से संबंधित एक अन्य याचिका के साथ जोड़ते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सरकार पर पहले भी कैग नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी को लेकर सवाल उठते रहे हैं। विपक्षी दलों ने भी बार-बार यह मुद्दा उठाया है कि कैग की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए चयन प्रक्रिया में बदलाव किया जाए।

कुलगाम में लापता युवकों की मौत पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस की बर्बरता

पुलिस अधिकारी द्वारा महिला प्रदर्शनकारियों पर हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में लापता युवकों की संदिग्ध मौत के खिलाफ प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर एक पुलिस अधिकारी द्वारा लात मारने का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। इस घटना के बाद राजनीतिक दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ।

घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के डीआईजी को पूरे मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। विपक्षी दलों-नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस-ने इस घटना की निंदा करते हुए दोषी अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

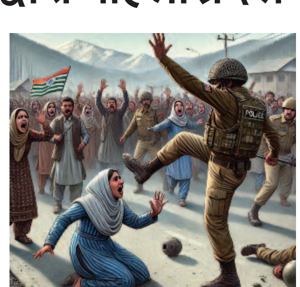

की है।

पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिज़ा मुफ्ती ने इस घटना पर ट्वीट कर पुलिस के व्यवहार को "अत्याचारी" बताया और कहा कि यह लोगों के विश्वास को कमजोर करता है।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस से इस मामले में तुरंत कार्रवाई करने की अपील की है।

कुलगाम जिले के तीन युवक 14 फरवरी से लापता थे, जिनमें से दो के शव 14 मार्च को एक नाले से बरामद हुए। परिवारों ने मौत को संदिग्ध बताते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसको लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसके दौरान पुलिस अधिकारी ने महिलाओं पर लात चलाई, जिससे मामला और बढ़ गया।

इस घटना ने जम्मू-कश्मीर में कानून-व्यवस्था और पुलिस बर्ताव को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है। अब देखना होगा कि सरकार इस पर क्या कदम उठाती है।

तमिलनाडु में भाजपा का विरोध प्रदर्शन

अन्नामलाई समेत कई नेता हिरासत में

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु में भाजपा और डीएमके सरकार के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। भाजपा ने सरकारी शराब दुकानों में कथित 1,000 करोड़ रुपये की अनियमितताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई सहित कई वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में ले लिया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का दावा है कि टीएएसएमएसी के प्रबंधन में निविदा प्रक्रियाओं में हेरफेर और डिस्टिलरी कंपनियों के जरिए बड़े पैमाने पर बेहिसाब नकदी लेनदेन हुआ है। 6 मार्च को ईडी इन कर्मचारियों, डिस्टिलरी ऑफिस और संयंत्रों पर छापेमारी कर सबूत जुटाने का दावा किया था। अन्नामलाई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि पुलिस ने पार्टी की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सुंदरराजन को घर में नजरबंद कर दिया है। वहीं, भाजपा महिला मोर्चा प्रमुख वनथी श्रीनिवासन, विनोज पी. सेल्वम और अमर प्रसाद रेड्डी समेत अन्य नेताओं को हिरासत में लिया गया है। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि वह इस मुद्दे पर अपना विरोध जारी रखेगी।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पिता का निधन

श्रद्धांजलि देने पहुंचे पीएम मोदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पिता डॉ. देवेंद्र प्रधान का सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने 84 वर्ष की आयु में आखिरी सांस ली। वहीं उनके निधन के बाद पीएम मोदी ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि वह धर्मेंद्र प्रधान के पिता देबेंद्र प्रधान भी भाजपा के वरिष्ठ नेता थे। वह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री भी थे। उनके पुत्र धर्मेन्द्र प्रधान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली मौजूदा केंद्र सरकार में शिक्षा मंत्री हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई के पूर्व अध्यक्ष देबेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली में अंतिम सांस ली। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने भी देबेंद्र प्रधान के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देबेंद्र प्रधान एक लोकप्रिय जननेता और योग्य सांसद थे। सीएम मोहन चरण माझी ने कहा, ''उन्होंने (देबेंद्र प्रधान ने) 1999 से 2001 तक केन्द्रीय परिवहन एवं कृषि मंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। एक जनप्रतिनिधि एवं सांसद के रूप में उन्होंने अनेक कल्याणकारी कार्य किए जिसके लिए उन्हें आम जनता का काफी स्नेह मिला। उन्होंने अपना पूरा जीवन सेवा और दृढ़ संकल्प की भावना के साथ राज्य के विकास के लिए समर्पित कर दिया।'' ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी ने कहा कि देश और राज्य ने देबेंद्र प्रधान के रूप में एक प्रतिष्ठित लोक सेवक खो दिया है। मुख्यमंत्री ने उनके बेटे से भी बात की और अपनी संवेदना व्यक्त की। ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने कहा कि देबेंद्र प्रधान को उनके अद्वितीय संगठनात्मक कौशल और अडिग व्यक्तित्व के लिए हमेशा याद किया जाएगा। नवीन पटनायक ने कहा, ''डॉ. देबेंद्र प्रधान के निधन से राज्य ने एक प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्ति और लोकप्रिय राजनेता खो दिया है।''

शादी टूटी, लड़के वालों का हंगामा

तलवार लहराने पर दो गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के गंजाम जिले के बरहमपुर शहर में शादी टूटने के बाद हंगामे का मामला सामने आया है। लड़की पक्ष द्वारा शादी का प्रस्ताव रद्द करने और दिए गए पैसे वापस मांगने पर लड़के पक्ष के दो लोगों ने खुलेआम तलवार लहराई और धमकी दी। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपियों कन्हा डाकुआ और कान्हू डाकुआ को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि तलवार लहराने के दौरान एक व्यक्ति पर हमला भी किया गया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053